शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 309 | गुवाहाटी | रविवार, 9 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

400 पार का अधूरा नारा ही बना भाजपा की हार की वजह : पीके पेज 2
विधायक मृणाल सैकिया के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज पेज 3
उम्र में 20 साल बाद फिर उसी जगह खड़ी दिख रही समाजवादी पार्टी पेज 5
क्या आज महामुकाबले में विलेन बन सकती हैं बारिश, श्याम 7 बजे खेला ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार से मुक्त होना है और खूबसूरत दिमाग वाले लोगों से भरना है तो समाज में तीन ऐसे लोग हैं, जो ऐसा कर सकते हैं। वे हैं- पिता, माता और अध्यापक।
- अब्दुल कलाम

आज तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे नरेंद्र मोदी

जवाहर लाल नेहरू के रिकॉर्ड की करेंगे बराबरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री पद के लिए नामित नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार रविवार को शपथ लेंगे और वह प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे राजनेता होंगे। इस बीच, नई सरकार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विभिन्न घटकों के लिए मंत्रिपरिषद में हिस्सेदारी को लेकर भाजपा नेतृत्व और सहयोगी दलों के बीच गहन विचार-विमर्श चल रहा है। अमित शाह और राजनाथ सिंह के अलावा पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता सरकार में प्रतिनिधित्व को लेकर तेलुगु देशम पार्टी के एन. चंद्रबाबू नायडू, जेडी(यू) के नीतीश कुमार और शिवसेना के एकनाथ शिंदे सहित सहयोगी दलों से परामर्श कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि गृह, वित्त, रक्षा और विदेश जैसे महत्वपूर्ण विभागों के अलावा शिक्षा और संस्कृति जैसे दो मजबूत वैचारिक पहलुओं वाले मंत्रालय भाजपा के पास रहेंगे, जबकि उसके सहयोगियों को पांच से आठ कैबिनेट पद मिल सकते हैं। पार्टी के भीतर जहां शाह और सिंह जैसे नेताओं का नये मंत्रिमंडल में शामिल होना तय माना जा रहा है, वहीं लोकसभा चुनाव जीतने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जैसे शिवराज सिंह चौहान, बसवराज बोम्मई, मनोहर लाल खट्टर और सर्वानंद सोनोवाल सरकार में शामिल होने के प्रबल दावेदार हैं। सूत्रों ने बताया कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के राम मोहन नायडू, जद(यू) के ललन सिंह, संजय झा और राम नाथ ठाकुर तथा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान उन सहयोगियों में शामिल हैं जो नयी सरकार का हिस्सा हो सकते हैं। महाराष्ट्र, जहां भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन का प्रदर्शन खराब रहा है, और बिहार, जहां विपक्ष ने वापसी के संकेत दिए हैं, सरकार गठन की कवायद के -शेष पृष्ठ दो पर

किले में तब्दील हुई दिल्ली

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी कल यानी 9 जून की शाम 7.15 बजे लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। मोदी के शपथ ग्रहण में पड़ोसी मुल्क के कई राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल होंगे। शपथ ग्रहण राष्ट्रपति भवन में होगा, जहां अभी से तैयारी शुरू हो गई है। शपथ ग्रहण को लेकर राजधानी दिल्ली रात तक पूरी तरह से किले में तब्दील हो जाएगी। शपथ ग्रहण और विदेशी नेताओं की सुरक्षा को देखते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और नॉर्थ साउथ ब्लॉक के चप्पे-चप्पे पर कमांडो और पुलिस के जवानों की तैनाती रहेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा प्रोटोकॉल के एक हिस्से के रूप में, सुरक्षा अधिकारी राष्ट्रपति भवन के अंदर और बाहर तीन लेयर की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। राष्ट्रपति भवन के रिंग के बाहर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात रहेंगे, जबकि इनर रिंग में अर्धसैनिक बलों के जवानों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों की पांच कंपनियों और दिल्ली सशस्त्र पुलिस (डीएपी) जवानों सहित लगभग 2500 पुलिस कर्मियों को कार्यक्रम स्थल के आसपास तैनात करने की योजना बनाई गई है। शपथ -शेष पृष्ठ दो पर

शपथ ग्रहण समारोह में बुलाएंगे तो सोचेंगे : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि अभी तक नई सरकार के मंत्रीमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने के लिए निमंत्रण नहीं आया है। अगर शपथग्रहण समारोह में बुलाया जाता है और निमंत्रण पत्र भेजा जाता है तो उस पर विचार किया जाएगा। कांग्रेस कार्यसमित की बैठक के ठीक बाद एक पत्रकार वार्ता के दौरान एक सवाल के जवाब में जयराम रमेश ने यह कहा। देश में तीसरी बार मोदी सरकार बनने जा रही है। रविवार, 9 जून शाम सवा 7 बजे राष्ट्रपति भवन में नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। देश-विदेश के नेताओं को शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भी भेजा जा रहा है। इस बीच कांग्रेस नेता जयराम -शेष पृष्ठ दो पर

शपथ ग्रहण समारोह का न्योता नहीं मिला : ममता

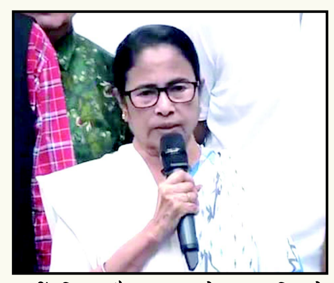

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम सामने आने के बाद देश के सियासी गलियारों में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। सियासत के ऐसे ही अहम घटनाक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए न्योता नहीं मिला है। ममता ने कहा कि वे राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में जाने का इरादा भी नहीं रखतीं। मीडिया से बात करते हुए ममता ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को आड़े हाथ लिया। पश्चिम -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुनी गईं सोनिया गांधी

नई दिल्ली। संसद के सेंट्रल हॉल में शनिवार को कांग्रेस संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक में सोनिया गांधी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुन लिया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसे -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव परिणामों पर सीएम हिमंत के *ईसाई विरोधी* दृष्टिकोण की मेघालय-नगालैंड ने निंदा की

गुवाहाटी। मेघालय और नगालैंड स्थित राजनीतिक दलों ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की इन राज्यों में एनडीए उम्मीदवारों की चुनावी हार के लिए एक *विशेष धर्म* के नेताओं को जिम्मेदार ठहराने पर आलोचना की है। भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी दलों - नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के उम्मीदवार मेघालय में शिलांग और तुरा लोकसभा सीटों तथा नगालैंड में एकमात्र निर्वाचन क्षेत्र से हार गए। वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी (वीपीपी) के प्रमुख अर्देंट मिलर बसियावमोइत ने शुक्रवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में कहा कि असम के मुख्यमंत्री, जो आदतन बकवास करने वाले लगते हैं, उन्हें अपने काम से मतलब रखना चाहिए और अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। हाल ही में संपन्न संसदीय चुनाव का सवाल है, उन्हें मेघालय के मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। -शेष पृष्ठ दो पर

भगवान राम के आशीर्वाद से तीसरी बार पीएम बन रहे हैं मोदीजी : हिमंत

अयोध्या। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि मनोनीत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश स्वर्णिम भारत की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैं कई दिनों से रामलला के दर्शन करना चाहता था...आज यहां आकर मुझे खुशी हो रही है...मैंने प्रार्थना की कि मोदी जी का अगला कार्यकाल बहुत अच्छा हो, असम और पूरा देश बहुत अच्छा हो... असम के सीएम ने कहा कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है कि कोई प्रधानमंत्री तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेगा। यह ऐतिहासिक है... हम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम भारत की ओर बढ़ रहे हैं। मनोनीत पीएम नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह पर असम के सीएम ने कहा कि यह हमारे देश के लिए एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के लिए एक सुनहरा अवसर है। मैं आशा और प्रार्थना करता हूं कि भगवान नरेंद्र मोदी को शक्ति दें...कल जो क्षण हम देखेंगे वह अपने आप में अद्भुत होगा। उन्होंने आगे कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास कोई जवाबदेही नहीं है और 10 साल बाद भी वे 100 तक भी नहीं पहुंच -शेष पृष्ठ दो पर

दिहाड़ी बढ़ाने की राह में केंद्र सरकार सभी राज्यों के लिए होगा मान्य

नई दिल्ली। असंगठित सेक्टर में काम कर रहे श्रमिकों के लिए केंद्र सरकार न्यूनतम मजदूरी का एक फ्लोर लेवल तय करने जा रही है। श्रम मंत्रालय इसकी तैयारी में जुट गया है। सभी राज्यों के लिए इस फ्लोर लेवल के हिसाब से न्यूनतम मजदूरी देना अनिवार्य होगा। अभी राज्य केंद्र सरकार की न्यूनतम मजदूरी के फ्लोर लेवल को मानने के लिए बाध्य नहीं है क्योंकि श्रम संबंधी विषय संविधान की समवर्ती सूची में शामिल हैं। इसलिए केंद्र व राज्य दोनों ही अपनी-अपनी सुविधा के हिसाब से न्यूनतम मजदूरी तय करते हैं। केंद्र सरकार के इस कदम से लगभग 50 करोड़ असंगठित सेक्टर के श्रमिकों -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में उग्रवादियों ने लोगों के घर जलाए, पीड़ित समुदाय ने पुलिस से वापस मांगे लाइसेंसी हथियार

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले में कथित तौर पर उग्रवादियों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। जिसके कारण वहां भड़की हिंसा के बाद मैतेई समुदाय के 200 से अधिक लोगों को उनके गांवों से निकालकर नए बनाए गए राहत शिविर में पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। जिरीबाम जिले के बाहरी गांवों लमताई खुनौ, डिबोंग खुनौ, नुनखाल और बेगरा में संदिग्ध उग्रवादियों ने जिरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में राहत शिविर में रह रहे लोगों के घरों को जला दिया। अधिकारियों ने बताया कि नए विस्थापित हुए अधिकांश लोग जिरीबाम शहर से 30 किलोमीटर से अधिक दूर के गांवों में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक सुरक्षाकर्मियों को इलाके में भेजा गया है। मणिपुर पुलिस ने इंफाल घाटी में स्थित राज्य पुलिस के कमांडो कर्मियों को तत्काल प्रभाव से शनिवार को ड्यूटी के लिए जिरीबाम जाने का आदेश दिया है। पुलिस ने बताया कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर के जिरीबाम जिले में गुरुवार शाम को तनाव फैल गया, जब एक समुदाय के 59 वर्षीय व्यक्ति की दूसरे समुदाय के -शेष पृष्ठ दो पर

आरएसएस को लेकर नड्डा की टिप्पणी से कम हुई भाजपा की सीटें : राजनीतिक विश्लेषक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल समेत पूरे देश में भाजपा के प्रदर्शन में हुई गिरावट को लेकर हमारे रिपोर्टर ने राजनीतिक विश्लेषक महेश बिनानी से बात की। इस दौरान राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अकेले ही पूरे *इंडिया* गठबंधन पर भारी पड़ गए हैं। पश्चिम बंगाल के प्रदर्शन में हुई गिरावट को लेकर उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं को अपनी जान का खतरा हमेशा बना रहता है। इसलिए कार्यकर्ता पार्टी के पक्ष में पूरी लगन के साथ प्रचार करने में असफल रहे। इसके अलावा -शेष पृष्ठ दो पर

नीट-यूजी : एनटीए ने 1500 से ज्यादा उम्मीदवारों को दिए ग्रेस मार्क्स की समीक्षा के लिए समिति गठित की

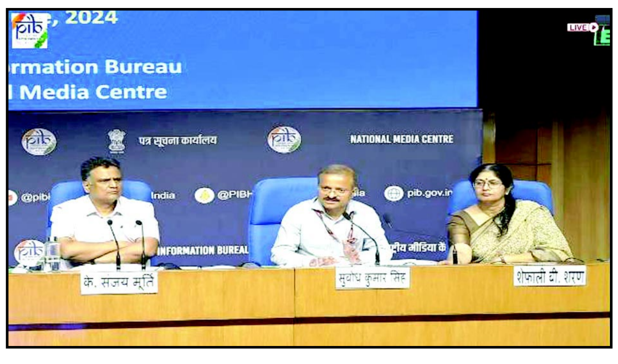

नई दिल्ली (हि.स.)। नीट-यूजी 2024 के नतीजों को लेकर चल रहे विवाद के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 1,500 से ज्यादा उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। यह कदम बढ़े हुए अंकों के व्यापक आरोपों के बाद उठाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 67 उम्मीदवारों ने शीर्ष रैंक साझा की, जिनमें एक ही परीक्षा केंद्र के छह उम्मीदवार शामिल थे। एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह ने नीट परीक्षा विवाद पर शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की टैक्स व्यवस्था को लेकर उठने लगे सवाल

विदेशी एयरलाइन कंपनियां समेट सकती हैं कारोबार

नई दिल्ली। विदेशी एयरलाइन कंपनियों ने भारत की टैक्स व्यवस्था को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। उनका कहना है कि भारत का टैक्स सिस्टम बहुत जटिल है और अगर स्थिति नहीं सुधरी तो उन्हें भारत से अपना कारोबार समेटना पड़ सकता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आई.ए.टी.ए.) ने चेतावनी दी है कि भारत में टैक्स सिस्टम की जटिलताएं ग्लोबल एयरलाइन्स को देश छोड़ने के लिए मजबूर कर सकती हैं। आई.ए.टी.ए. की स्थापना 1945 में कुछ एयरलाइन कंपनियों ने की थी। आज दुनियाभर की 300 से अधिक एयरलाइन कंपनियां इसकी मैंबर हैं। आई.ए.टी.ए. के डायरेक्टर जनरल विली वॉल्श के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में टैक्स से जुड़ी कई समस्याएं हैं। हमें चिंता है कि कि कुछ प्रस्ताव ऐसे हैं जिनके कारण विदेशी एयरलाइन कंपनियां भारत छोड़ सकती हैं। इनमें टैक्स नियमों की जटिलाएं, बहुत ज्यादा टैक्स और डबल टैक्सेशन का जोखिम है। ये ऐसे इश्यू हैं जिनसे विदेशी एयरलाइन कंपनियां बचना चाहती हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अक्तूबर में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डी.जी.जी.आई.) कई विदेशी एयरलाइन कंपनियों के कार्यालयों पर छापा मारा था। यह मामला टैक्स की चोरी से जुड़ा था। इसी साल डी.जी.सी.आई. ने थाई एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइन्स, लुफ्तहांसा और ब्रिटिश एयरवेज के भारतीय कर्मचारियों को समन भेजा था। इन एयरलाइन कंपनियों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

400 पार का अधूरा नारा ही बना भाजपा की हार की वजह : पीके

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आ चुके हैं और एनडीए गठबंधन ने 293 सीटों पर जीत हासिल करके केंद्र में सरकार बनाने की तैयारी कर ली है। वहीं, इंडिया गठबंधन ने 234 सीटों पर जीत दर्ज की है। यह नतीजे एग्जिट पोल के अनुमानों और चुनाव विश्लेषकों के आकलनों से काफी अलग हैं। इस दौरान एक इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने भाजपा की सीटों में आई कमी के कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी माना कि उनकी चुनावी भविष्यवाणी गलत साबित हुई। इस दौरान उन्होंने भाजपा के *400 पार* के नारे का भी उल्लेख किया। प्रशांत किशोर ने बताया कि भाजपा का 400 पार का नारा अधूरा था। उन्होंने कहा कि इस नारे में कोई बुराई नहीं है,

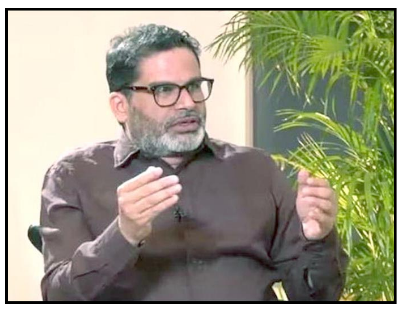

लेकिन यह अधूरा नारा है। 400 पार तो है, लेकिन किस लिए? जैसे 2014 में नारा था *बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार,* जिसमें उद्देश्य स्पष्ट था कि मोदी सरकार क्यों चाहिए। किशोर ने आगे कहा कि 400 पार के नारे को समाज ने अहंकार के तौर पर लिया, जिसे विपक्ष ने भुनाया। उन्होंने बताया कि इस नारे से भाजपा को हर जगह नुकसान हुआ क्योंकि यह स्पष्ट नहीं था कि 400 पार क्यों। प्रशांत किशोर ने बताया कि भाजपा की सबसे कमजोर कड़ी मोदी पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ने सोचा कि 400 सीटें तो आ ही रही हैं, इसलिए सांसद को सबक सिखाना है। कई क्षेत्रों में कार्यकर्ता नाराज थे क्योंकि सांसद उन्हें भाव नहीं देते थे। किशोर ने बताया कि भाजपा समर्थकों को लगा कि जीत तो निश्चित है, जबकि विपक्षी दलों के पास स्पष्ट उद्देश्य था कि भाजपा को रोकना है।

सफदरजंग अस्पताल में पहली बार एक हफ्ते में की गई पांच रोबोटिक सर्जरी

नई दिल्ली (हि.स.)। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर (एसआईसी) में पहली बार एक हफ्ते में पांच रोबोटिक सर्जरी की गईं। जून के पहले सप्ताह में एक रोबोटिक घुटना प्रतिस्थापन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके तहत रोबोट से घुटना रिप्लेसमेंट की पांच सर्जरी की गई। यह सर्जरी एसआईसी के निदेशक डॉ. दीपक जोशी और वरिष्ठ सलाहकार डॉ. नवल भाटिया के नेतृत्व वाली टीमों द्वारा की गई। सफदरजंग अस्पताल के मुताबिक रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी आधुनिक समय की सबसे उन्नत तकनीकों में से एक है, जिसमें घुटने के ऑपरेशन के समय हड्डी की सटीक कटौती होती है और अंग संरेखण भी सुनिश्चित रहता है। इससे मरीज के ऑपरेशन के बाद घुटने में होने

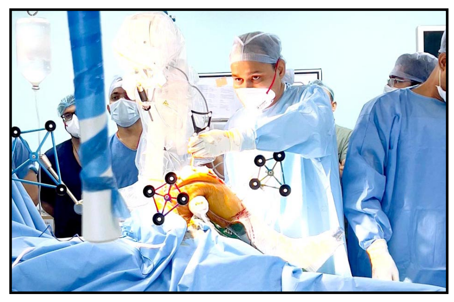

वाले दर्द में कमी आती है और ऑपरेशन के बाद शुरुआती रिकवरी में भी मदद मिलती है। उल्लेखनीय है कि सफदरजंग अस्पताल में स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर का उन्नत केंद्र को एक नई इमारत में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसका उद्घाटन जनवरी 2024 में किया गया था। इसमे प्रस्तावित सेवाओं का दायरा और भी बेहतर और व्यापक हो गया है। पिछले पांच महीनों में ओपीडी में आने वालों की संख्या और सर्जिकल संख्या दोगुनी हो गई है। विशिष्ट खिलाड़ियों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ, केंद्र ने हाइड्रोथेरेपी पूल, अंडरवाटर ट्रेड मिल, बैलेंस सिस्टम इत्यादि जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ सीधे निदेशक एसआईसी की देखरेख में एक अलग स्पोर्ट्स मेडिसिन यूनिट शुरू की है, जिनमें से सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

दो शिशुओं की तालाब में डूबकर मौत

जोरहाट (हिंस)। शनिवार की दोपहर करीब 12.30 बजे मरियानी राजस्व क्षेत्र के अंतर्गत खेरेमिया गांव के प्रांजू बोरा (8) और कनखुवा गांव के मिंटू गोगोई (9) तालाब में नहाने गए थे। खेरेमिया गांव स्थित तालाब में दोनों डूब गए। पड़ोसियों ने दोनों को डूबते देख उन्हें बाहर निकालकर तुरंत तीताबर एसडीसीएच पहुंचाया। लेकिन, डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिजली की चपेट में आने से एक छात्र बुरी तरह से झुलसा

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के सेंगाजान इलाके में एक छात्र बिजली की चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इलाके में विक्रम गरिया नामक युवक अपने धान के खेत मे बीज उखाड़ने गया था। इसी दौरान रेल लाइन की इलेक्ट्रिक खंबे की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम में स्थानीय लोगों की मदद से घायल विक्रम को इलाज के लिए शहीद कुशल कोंवर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल छात्र आठवीं कक्षा का छात्र बताया गया है। इस घटना को लेकर लोगों में रेलवे विभाग के प्रति काफी रोष देखा गया है।

हेरोइन के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के काकोपथार थानांतर्गत डिराक के आमगुरी इलाके से पुलिस ने हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात आमगुरी में हेरोइन के साथ गोकुल गोगोई नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गोकुल गोगोई के पास से 11 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की। सूत्रों ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर पीछा कर पुलिस टीम ने गोगोई के घर से हेरोइन को बरामद किया।

अमेरिका के 22 शहरों में मनाया जाएगा नरेंद्र मोदी की तीसरी बार ऐतिहासिक जीत का जश्न

वाशिंगटन। अमेरिका में ओवरसीज *फ्रेंड्स ऑफ भाजपा* के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि नरेंद्र मोदी के समर्थक उनके तीसरे शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाएंगे। उन्होंने बताया कि न्यूयॉर्क, जर्सी सिटी, वाशिंगटन, बोस्टन, टाम्पा, अटलांटा, ह्यूस्टन, डलास, शिकागो, लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को जैसे शहरों में मोदी के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाया जाएगा। ओएफभाजपा-यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा कि इस शुक्रवार से अगले रविवार तक अमेरिका के 22 शहरों में उनकी जीत का जश्न मनाया जाएगा। ओएफभाजपा-यूएसए के सदस्यों ने चुनाव-अभियान के दौरान लोगों को

जागरूक करने के लिए अमेरिका के कई शहरों में कार रैलियां निकालीं। लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी है और 1962 के बाद यह पहली बार है कि कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार सत्ता में आए हैं। मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे, जो 60 साल में पहली बार होगा। प्रसाद ने कहा कि भारत में नयी सरकार के गठन के बाद ओएफभाजपा-यूएसए भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा कि हम भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रवासी भारतीयों को एकजुट करेंगे। उन्होंने बताया कि वे प्रवासी भारतीयों से संबंधित सभी मुद्दों के लिए अनिवासी भारतीय (एनआरआई) आयोग की स्थापना करने के लिए भी प्रधानमंत्री से अनुरोध करेंगे। प्रसाद ने कहा कि विदेशों में रहने वाले बड़ी संख्या में भारतीयों को संपत्ति से संबंधित समस्याओं और यहां तक कि बैंक हस्ताक्षरों के मिलान जैसी छोटी-छोटी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम एक एनआरआई आयोग की स्थापना की मांग कर रहे हैं, जिससे इन मुद्दों का समाधान हो सकेगा।

शाहीन बाग में लगी भीषण आग मचा हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, आग सबसे पहले बिजली के तारों में लगी जिसके बाद यह रेस्टोरेंट तक फैल गई। मौके पर दमकल की 7 गाड़ियां मौजूद हैं और आग बुझाने का काम जारी है। आग लगने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इससे पहले पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में शनिवार दोपहर एक मकान में आग लग गई। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक अधिकारी के अनुसार पूर्वी आजाद नगर में आग लगने की सूचना दोपहर करीब साढ़े तीन बजे मिली थी। उन्होंने बताया कि दो मंजिला इमारत के प्रथम तल पर आग लग गई थी, जिस पर दमकल की तीन गाड़ियों की मदद से काबू पाया गया। अधिकारी ने बताया कि आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

GOVT. OF ASSAM
OFFICE OF THE SUPEINTENDENT OF POLICE :: UDALGURI :: DISTRICT :: UDALGURI ASSAM ::

The above is photograph of Gonesh Swargiary (40 Yrs.), S/O - Basiram Swargiary, Vill- Majuli T.E., PS- Harisinga, Dist.-Udalguri who has been missing since 17/01/2024 from his house.

This refers to Harisinga PS GDE No- 485, Dtd. 22/04/2024 and this office Man Missing Register Entry No. 81 Dtd. 21/05/2024

Descriptive Roll of the Missing Person :

1. Complexion	:	Swarthy
2. Age	:	40 Yrs
3. Height	:	5 Feet
4. L/Known	:	Asamese
5. Wearing	:	Black T-Shirt & Black Pant.

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person at the earliest and result there of may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action : 6026901138 (Cell Phone)

Janasanyog /D/1344/ 24/ 09 June 2024

Superintendent of Police, Udalguri, Assam

पृष्ठ एक का शेष

आज तीसरी बार...

दौरान फोकस में हो सकते हैं महाराष्ट्र में अक्तूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि बिहार में अगले साल चुनाव होंगे। भाजपा के संगठन में होने वाले बदलाव भी पार्टी के मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देते समय चयनकर्ताओं के मन में होंगे। लोकसभा चुनावों के कारण नड्डा का कार्यकाल बढ़ा दिया गया था, और संगठनात्मक अनिवार्यताएं पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण विचारणीय विषय होगा, क्योंकि चुनाव परिणामों ने संकेत दिया है कि उसकी विशाल मशीनरी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सूत्रों ने कहा कि इससे पार्टी में किसी अनुभवी व्यक्ति को भेजे जाने और नड्डा को सरकार में स्थान दिए जाने की संभावना भी बनी हुई है। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनावों में अपने आश्चर्यजनक रूप से खराब प्रदर्शन के बाद निरंतरता का संदेश देने और राजनीतिक कमजोरी की किसी भी धारणा को दूर करने के लिए प्रयासरत है। पार्टी को इन आम चुनावों में 240 सीटें मिलीं जो बहुमत के आंकड़े से 32 कम हैं। पार्टी को 2019 के चुनावों में 303 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और मॉरीशस सहित कई पड़ोसी देशों के नेता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

शपथ ग्रहण समारोह...

रमेश ने कहा है कि आईएनडीआईए के नेताओं को शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण नहीं आया है। अगर निमंत्रण आता है तो हमारे नेता इस पर विचार करेंगे। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल ने संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि 2024 लोकसभा का चुनाव लोकतंत्र और आम जनता की जीत है। कांग्रेस ने संविधान बचाने और समाजिक व आर्थिक समानता को मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी जिसका देश ने समर्थन दिया। इसके लिए कांग्रेस कार्यसमिति ने देशवासियों का आभार जताया है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी, पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कांग्रेस पार्टी को इस स्तर पर पहुंचाया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को मुख्य रूप से भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा डिजाइन और नेतृत्व किया था जिससे कार्यकर्ताओं और करोड़ों मतदाताओं में आशा और विश्वास पैदा हुआ।

शपथ ग्रहण समारोह ...

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष चुनी गईं। वहीं पार्टी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को लोकसभा में पार्टी का नेता, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा का उपनेता, जबकि कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक चुना गया। टीएमसी ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद डेरेक ओब्रायन को राज्यसभा में पार्टी का नेता चुना गया, सागरिका घोष को उपनेता और नदीमुल हक को मुख्य सचेतक चुना गया। लोकसभा 2024 चुनाव में पश्चिम बंगाल में इस बार टीएमसी ने शानदार प्रदर्शन किया। कुछ राजनीतिक विश्लेषक भाजपा की छह-सात सीटें बढ़ने का अनुमान लगा रहे थे, लेकिन मतगणना में भाजपा 10 सीटों पर सिमट गई। 31 सीटों पर झंडे गाड़ कर ममता ने साबित कर दिया कि भाजपा अब भी यहां के लिए बाहरी पार्टी ही है। भाजपा इस बार कई सीट भी हार गई। इस बार ममता को एकतरफा मुस्लिम वोट मिला। ममता ने भाजपा के जवाब में साफ्ट हिंदू कार्ड चला और अपने हिंदू वोट बैंक को खिसकने नहीं दिया। नतीजों से ममता ने अपनी बंगाली पहचान और पुख्ता कर ली है। लक्ष्मी भंडार योजना, हर महीने खाते में एक हजार रुपये देने की घोषणा ने जोरदार असर किया।

किले में तब्दील...

ग्रहण के लिए तीन लेवल की सुरक्षा के अलावा समारोह में शामिल होने वाले विदेशी अतिथियों और गणमान्यों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। जिन रास्तों से इनका काफिला गुजरने वाला हैं वहां, स्नाइपर्स और सशस्त्र पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। बेहतर निगरानी के लिए जगह-जगह पर ड्रोन की तैनाती भी की जाएगी। दिल्ली पुलिस ने राजधानी को पहले से ही नो फ्लाइंग जोन घोषित कर रखा है। यह बैन 9 से 11 जून तक लागू रहेगा। ऐसी स्थिति में दिल्ली में पैराग्लाइडर, हैंग ग्लाइडर, यूवी, यूएएस, माइक्रोलाइट विमान आदि के उड़ने और उड़ाने पर रोक लग गई है। शपथ ग्रहण में शामिल हो रहे विदेशी मेहमान जिन होटलों में ठहरेंगे वहां भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। होटलों की सुरक्षा को अतिथियों की प्रोटोकॉल के हिसाब से अपडेट किया जा रहा है। शपथ ग्रहण में कई विदेशी नेताओं के आलावा अलग-अलग धर्मों के 50 धार्मिक नेता भी शामिल होंगे। इसके अलावा वकील, डॉक्टर, कलाकार, प्रभावशाली व्यक्तियों समेत कई और लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। पद्म विभूषण और पद्म भूषण जैसे पुरस्कार से सम्मानित होने वाले लोग भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। समारोह में बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान, नेपाल, मॉरीशस और सेशेल्स के टॉप नेता शामिल होंगे। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और कुछ अन्य देशों के नेताओं को पहले ही निमंत्रण मिल चुका है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल *प्रचंड,* मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनॉथ और सेशेल्स के राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन उन नेताओं में शामिल हैं जो मोदी के शपथ ग्रहण में शामिल हो सकते हैं। इनमें से कई नेताओं के दिल्ली पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो गया है।

चुनाव परिणामों पर ...

वीपीपी के रिकी एंड्र्यू जे. सिंगकोन ने कांग्रेस के तीन बार के सांसद विन्सेंट एच. पाला को 3.72 लाख वोटों से हराकर शिलांग सीट जीती। एनपीपी की माजेल अम्पारीन लिंगदोह तीसरे स्थान पर रहीं। एनपीपी की अगाथा के. संगमा तुरा सीट बचाने में असफल रहीं, जिसे कांग्रेस के सलेंग ए. संगमा ने जीत लिया। मेघालय के लोगों को किसी भी व्यक्ति को चुनने का अधिकार है, बशर्ते वह भारतीय नागरिक हो और चुनाव लड़ने के योग्य हो। वे इतने भोले नहीं हैं कि चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दलों के उद्देश्यों, उद्देश्यों, एजेंडे और घोषणापत्रों को न जान सकें, बसियावमोइत ने असम के मुख्यमंत्री की निंदा करते हुए कहा कि वे इस क्षेत्र में ईसाइयों को पक्षपाती के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेघालय में चर्च कभी भी चुनावी राजनीति में शामिल नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि एक समुदाय के तौर पर हम एक ऐसी पार्टी या उम्मीदवार को चुनेंगे जो धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखता हो और भारत के संविधान के प्रावधानों का सम्मान करता हो। हम उस पार्टी का समर्थन करते हैं जो अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा करती है। इसलिए, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि एक ईसाई ऐसे व्यक्ति को वोट देगा या चुनेगा जो उस पार्टी से संबंधित है जो भारत के संविधान के खिलाफ है और धर्मनिरपेक्ष नहीं है। नगालैंड में राइजिंग पीपुल्स पार्टी (आरपीपी) ने असम के मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि वे लगातार ईसाइयों को कोसते रहते हैं और एनडीए की हार का श्रेय ईसाई समुदाय को देते हैं। पार्टी ने एक बयान में कहा कि मतदाता, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, अपने पसंदीदा उम्मीदवार या पार्टी को चुनने के लिए पर्याप्त बुद्धिमान हैं। आरपीपी ने हिंदू मैतेई का उदाहरण दिया, जिन्होंने मणिपुर में (जातीय) हिंसा से निपटने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तरीके से असंतुष्ट होकर आंतरिक मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार अंगोमचा बिमोल अकोईजाम को वोट दिया था। नगालैंड स्थित पार्टी ने यह भी कहा कि किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को अशोभनीय व्यवहार और अभद्र भाषा शोभा नहीं देती।

भगवान राम के ...

सके। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस में होता, मैं गांधी परिवार को जवाबदेह ठहराता... सिर्फ यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे 100 तक नहीं पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि जवाबदेह, कुछ लोग उस पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं जो हार गई है। फैजाबाद सीट हारने पर उन्होंने कहा कि वहां 542 सीटें हैं, जिनमें पार्टी कुछ जीतेगी और कुछ सीटें हारेगी। उन्होंने कहा कि 542 सीटें हैं, हम कुछ जीतेंगे और कुछ हारेंगे। तो मुद्दा क्या है? भगवान राम के आशीर्वाद से नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। भाजपा के लल्लू सिंह फैजाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद से 54,000 से अधिक मतों के अंतर से हार गए। 2024 लोकसभा चुनाव की गिनती मंगलवार को हुई। भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, समाजवादी पार्टी (सपा) ने 37 सीटें जीतीं, भाजपा ने 33 सीटें जीतीं, कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं, राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) ने 2 सीटें जीतीं, और आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) और अपना दल (सोनीलाल) ने 2 सीटें जीतीं। ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में 1-1 सीट जीती। भाजपा को एक बड़े झटके में 2019 के लोकसभा चुनावों में 63 के मुकाबले केवल 33 सीटें मिलीं, वोट शेयर 41.37 प्रतिशत था। सबसे ज्यादा देखी जाने वाली कुछ सीटें जो भाजपा हार गई उनमें फैजाबाद, अमेठी और रायबरेली शामिल हैं। समाजवादी पार्टी दूसरी ओर, उसने अपने दम पर 37 सीटें हासिल कीं, जिससे राज्य में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ। सपा का वोट शेयर 33.59 फीसदी रहा. भाजपा की जीत की संख्या 2019 की 303 और 2014 में जीती गई 282 सीटों की तुलना में बहुत कम थी। दूसरी ओर, कांग्रेस ने मजबूत वृद्धि दर्ज की, 2019 में 52 और 44 की तुलना में 99 सीटें जीतीं।

दिहाड़ी बढ़ाने की...

को लाभ मिल सकता है। क्योंकि भाजपा व गैर भाजपा शासित दोनों ही राज्य केंद्र के इस कदम का विरोध नहीं करेंगे। कांग्रेस ने तो अभी लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने घोषणा पत्र में न्यूनतम मजदूरी प्रतिदिन 400 रुपए करने का वादा किया था। श्रम मंत्रालय के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक केंद्र इस मामले में कानून लाने जा रहा है ताकि कोई भी राज्य केंद्र की तरफ से तय न्यूनतम मजदूरी से कम मजदूरी किसी श्रमिक को नहीं दे सके। राज्य केंद्र की तरफ से तय न्यूनतम मजदूरी से अधिक मजदूरी देने के लिए स्वतंत्र होगा, लेकिन उससे कम नहीं दे सकेगा। इससे पहले वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने न्यूनतम मजदूरी के फ्लोर लेवल को अपडेट किया था जो मात्र 176 रुपए प्रतिदिन है। श्रम मंत्रालय इस बार न्यूनतम मजदूरी की जगह न्यूनतम जीवनयापन लागत तय करने की तैयारी में है। इस काम में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की भी मदद ली जा रही है। न्यूनतम मजदूरी श्रमिकों को काम के नाम पर शोषण से बचाने के लिए तय की जाती है जबकि जीवनयापन लागत में रोटी-कपड़ा, मकान जैसी बुनियादी जरूरतों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी जरूरतों को भी शामिल किया जाता है। राज्य कुशल व गैर कुशल दोनों प्रकार के श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी को अपडेट करते रहते हैं। राज्यों में गैर कुशल श्रमिकों के लिए अभी न्यूनतम मजदूरी औसतन 7000-12,000 रुपए प्रतिमाह के बीच है। दिल्ली में गैर कुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन 17,200 रुपए प्रतिमाह है।

मणिपुर में उग्रवादियों ...

उग्रवादियों द्वारा कथित तौर पर हत्या कर दी गई। सोइबाम सरतकुमार सिंह नामक व्यक्ति सुबह अपने खेत में जाने के बाद लापता हो गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में उसका शव मिला, जिस पर किसी नुकीली चीज से घाव के निशान थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने प्रतिशोध में एक खाली पड़े ढांचे में आग लगा दी। स्थानीय लोगों ने जिरीबाम पुलिस थाने के सामने विरोध प्रदर्शन भी किया और मांग की कि चुनाव के मद्देनजर उनसे लिए गए लाइसेंसी हथियार चुनाव समाप्त होने के बाद उन्हें लौटा दिए जाएं। जिरीबाम, जिसमें मैतेई, मुस्लिम, नगा, कुकी और गैर-मणिपुरी लोगों की एक विविध जातीय संरचना है, पिछले साल मई से मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष से अब तक अप्रभावित रहा है। इंफाल घाटी स्थित मैतेई और पहाड़ी क्षेत्र स्थित कुकी लोगों के बीच जातीय संघर्ष के कारण 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

आरएसएस को लेकर ...

उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर की गई टिप्पणी को भी सीटों में हुई गिरावट का एक प्रमुख कारण बताया। बिनानी ने कहा कि देश पिछले 70 वर्षों से रोटी, कपड़ा और मकान के चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। जिससे उचित शिक्षा न मिलने के कारण लोगों की राजनीतिक समझ भी विकसित नहीं हो पाई है। ममता बनर्जी की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को उन्होंने गुमराह करने वाली करार देते हुए कहा कि ममता दीदी सिर्फ अपने वोट बैंक की वजह से इस प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। जिसके कारण बंगाल में राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है।

नीट-यूजी : एनटीए ...

उम्मीदवारों ने कुछ मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया या देश की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षा है, जो एक ही पाली में होती है, जिसमें लगभग 24 लाख उम्मीदवार और 4,750 केंद्र थे। इस परीक्षा का पैमाना सबसे बड़ा है। लगभग छह केंद्रों पर प्रश्नपत्रों के गलत वितरण के कारण लगभग 16,000 उम्मीदवार प्रभावित हुए। उम्मीदवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें कम समय मिला। हमने उच्च न्यायालय में जवाब दिया है कि हमने विशेषज्ञों की एक शिकायत निवारण समिति बनाई है। यह समिति केंद्र से रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज सहित समय की बर्बादी के विवरण पर गौर करेगी। समिति में यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और अन्य शिक्षाविद शामिल हैं। समिति एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। उसके बाद फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने सभी चीजों का पारदर्शी तरीके से विश्लेषण किया और नतीजे घोषित किए। 4,750 केंद्रों में से समस्या सिर्फ छह केंद्रों तक सीमित थी और 24 लाख उम्मीदवारों में से सिर्फ 1,600 उम्मीदवार प्रभावित हुए। पूरे देश में इस परीक्षा की शुचिता से समझौता नहीं किया गया। हमने अपने सिस्टम का विश्लेषण किया और पाया कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ। एनडीए के डीजी ने कहा कि जिन नीट अभ्यर्थियों को ग्रेस अंक दिए गए हैं, उनके परिणाम संशोधित किए जा सकते हैं, प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। नीट-यूजी ग्रेस मार्क्स मुद्दे की समीक्षा करने वाला पैनल एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। उल्लेखनीय है कि एनटीए ने 5 मई 2024 को नीट-यूजी की परीक्षा आयोजित की थी। 14 विदेशी केंद्रों सहित यह परीक्षा 571 शहरों में 4750 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। 14 लाख 6 हजार उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। 4 जून को परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था।

भारत की टैक्स ...

पर जी.एस.टी. का भुगतान नहीं करने का आरोप था। एजेंसी के मुताबिक विदेशी एयरलाइन कंपनियों को भारत में एयरक्राफ्ट मेंटनेंस और रेंटल तथा क्रू की सैलरी पर जी.एस.टी. देना होगा। ब्रिटिश एयरवेज के चीफ एग्जीक्यूटिव रहे वॉल्श ने कहा कि जब मैं एयरलाइन सी.ई.ओ. तो हमेशा भारत में टैक्स नियमों की चर्चा होती थी। यह दुनिया में सबसे ज्यादा जटिल है। हमारा मानना है कि दुनिया में एक टैक्स स्ट्रक्चर है जो अच्छा काम कर रहा है। अगर आप इसमें बदलाव नहीं करते हैं तो विदेशी एयरलाइन आपके यहां से जा सकती हैं। वॉल्श ने कहा कि डी.जी.सी.ए. के 2022-23 के आंकड़ों के मुताबिक भारत के इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक में विदेशी एयरलाइंस की हिस्सेदारी 56 फीसदी है जबकि भारतीय कंपनियों का हिस्सा 44 फीसदी है। विदेशी कंपनियों में सबसे ज्यादा 10 फीसदी हिस्सेदारी एमिरेट्स की है। इसके बाद सिंगापुर एयरलाइन्स, एतिहाद, कतर एयरवेज, लुफ्तहांसा और एयर अरेबिया का नंबर है। वॉल्श ने कहा कि अगर किसी एयरलाइन को किसी देश से पैसा मिलना बंद हो जाए तो वह वहां ऑपरेट क्यों करेगी? उन्होंने कहा कि भारत की टैक्स व्यवस्था हमेशा से जटिल रही है। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि आगे क्या होता है। देश में हाल में हुए लोकसभा चुनावों में एन.डी.ए. को बहुमत मिला है और कुछ दिन में अगली सरकार बनने की उम्मीद है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अक्तूबर-दिसंबर के दौरान देश में इंटरनेशनल एयर ट्रैफिक 1.73 करोड़ रहा। इस डिमांड को 78 विदेशी और छह घरेलू कंपनियों ने पूरा किया। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला के सी.ई.ओ. एलन मस्क ने कुछ साल पहले भारत की टैक्स व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि भारत में टैक्स की दरें दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। इसके बाद सरकार ने अपनी ईवी पॉलिसी में बदलाव करके टेस्ला के भारत आने का रास्ता साफ किया था। हालांकि कंपनी ने अब तक भारत में एंट्री नहीं की है।

कांग्रेस संसदीय दल ...

सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। इस बैठक में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी सांसद राहुल गांधी, प्रमोद तिवारी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इससे पहले शनिवार को ही राजधानी दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। बैठक में पार्टी के भविष्य की रणनीति तय करने के लिए लोकसभा चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस संसदीय दल के अध्यक्ष पद के लिए सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा। पार्टी सांसद गौरव गोगोई, तारिक अनवर, के सुधाकरन ने प्रस्ताव का समर्थन किया। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि सोनिया गांधी को सर्वसम्मति से कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष चुना गया है।

विधायक मृणाल सैकिया के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज

बरपेटा (हिंस)। वीर लाचित सेना पर की गई टिप्पणी के खिलाफ सरभोग में वीर लचित सेना द्वारा विधायक मृणाल सैकिया के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई। 24 घंटे के भीतर विधायक सैकिया की गिरफ्तारी की मांग की गई। विधायक ने चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद निचले असम के बारे में विवादास्पद टिप्पणी की थी। भाजपा विधायक मृणाल सैकिया द्वारा ऊपरी और निचले असम के संबंध में की गई टिप्पणियों को लेकर राज्य भर में हुई कड़ी प्रतिक्रियाओं के बीच वीर लाचित सेना ने शनिवार को विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। राज्य के अन्य कई इलाकों में भी अलग-अलग थानों में प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। इस बीच, सरभोग में बीर लचित सेना के एफआईआर के बाद, मुख्यमंत्री से 24 घंटे के भीतर मृणाल सैकिया के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। लाचित सेना नेता ने कहा कि अगर मृणाल सैकिया जैसे लोग असम को विभाजित करना भी चाहते है, तो ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

एसएसबी की 24वीं वाहिनी ने टाटा मैजिक समेत अवैध लकड़ी किया जब्त

तामुलपुर (हिंस)। रंगिया स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 24वीं वाहिनी की सीमा चौकी गाइडन चौक के जवानों ने कुमारीकाटा स्थित वन विभाग के साथ भारत-भूटान सीमा पर एक संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। एसएसबी सूत्रों ने आज बताया है कि इस संयुक्त अभियान के दौरान तामुलपुर जिला के आमबारी गांव से अवैध रूप से लकड़ी लेकर जा रही एक टाटा मैजिक गावं-अमबारी, थाना- तामुलपुर, पुलिस चौकी- कुमारीकाटा, जिला तामुलपुर में अवैध रूप से लकड़ी (लगभग- 22.505 सीएफटी) के साथ एक टाटा मैजिक पिकअप को जब्त किया, जब्ती कार्रवाई के उपरांत उपरोक्त जब्त किया। एसएसबी के सूत्रों ने बताया है कि जब्त लकड़ी और टाटा मैजिक को कानूनी कार्रवाई के लिए कुमारीकाटा वन विभाग को सौंप दिया गया। ज्ञात हो कि एसएसबी की 24वीं वाहिनी भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए निरंतर इस प्रकार के अभियान चला रही है।

भारत-बांग्लादेश मिताली एक्सप्रेस अस्थायी रद्द

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल ने बांग्लादेश रेलवे के परामर्श से ईद त्योहार के उत्सव के मद्देनजर ट्रेन संख्या 13132/13131 (न्यू जलपाईगुड़ी- ढाका- न्यू जलपाईगुड़ी) मिताली एक्सप्रेस की सेवाओं को रद्द करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सेवा को जारी रखने का निर्णय लिया है। इनमें ट्रेन संख्या 06221/06222 (मैसूरु- मुजफ्फरपुर- मैसूरु) को दो-दो फेरों के लिए और ट्रेन संख्या 01665/01666 (रानी कमलापति- अगरतला- रानी कमलापति) को 26-26 फेरों के लिए दोनों दिशाओं से चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें मौजूदा सेवा के दिनों, समय-सारणी और ठहरावों के साथ चलेंगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि ट्रेन संख्या 13132 (न्यू जलपाईगुड़ी- ढाका) मिताली एक्सप्रेस 12, 16 और 19 जून को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 13131 (ढाका- न्यू जलपाईगुड़ी) मिताली एक्सप्रेस 13, 17 और 20 जून को रद्द रहेगी। बांग्लादेश में ईद त्यौहार समाप्त होने के बाद मिताली एक्सप्रेस की सामान्य सेवाएं शीघ्र बहाल हो जाएंगी। प्रत्येक सोमवार को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 06221 (मैसूरु- मुजफ्फरपुर) स्पेशल की सेवा को 17 जून से 24 जून तक बढ़ाया गया है। वापसी दिशा में प्रत्येक गुरुवार को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 06222 (मुजफ्फरपुर- मैसूरु) स्पेशल की सेवा को 20 जून से 27 जून तक बढ़ाया गया है। इसी तरह प्रत्येक गुरुवार को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 01665 (रानी कमलापति- अगरतला) साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल की सेवा को 27 जून से 26 दिसंबर तक बढ़ाया गया है। वापसी दिशा में प्रत्येक रविवार को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 01666 (अगरतला- रानी कमलापति) साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल की सेवा को 30 जून से 29 दिसंबर तक बढ़ाया गया है। इन ट्रेनों की विस्तारित सेवाओं से उक्त मार्गों पर अन्य ट्रेनों के प्रतीक्षा सूची वाले यात्रीगण लाभान्वित होंगे।

कॉलेज के दो छात्रों की सड़क हादसे में मौत

जोरहाट (हिंस)। नगालैंड के सांकी में असम के दो छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि दोनों छात्रों की सड़क हादसे में उस समय मौत हुई जब स्कूटी (एएस-04एबी-9974) के साथ दोनों छात्र करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गये। मृतक छात्रों की पहचान आकाश ग्वाला और द्विपज्योति गोगोई के रूप में हुई है। दोनों अपने तीन अन्य साथियों के साथ सांकी के पास गए। ये सभी टियोक चंद्रकमल बेजबरुवा कॉलेज के छात्र थे। नगालैंड पुलिस टियोक पुलिस से संपर्क कर चुकी है। दोनों छात्रों के शव आज उनके घर लाया जाएगा। आकाश ग्वाला शिवसागर जिले के जांजी के बामुनगांव का रहने वाला था।

कांग्रेस विधायक वाई का कांग्रेस मुख्यालय में जोरदार स्वागत

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आज राजधानी स्थित कांग्रेस भवन में अपनी पार्टी के एकमात्र निर्वाचित विधायक कुमार वाई का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। विधायक वाई ने 8वीं बामेंग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार डोबा लामिनो को 635 वोटों के अंतर से पराजित किया है। कुमार वाई का आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत के लिए एक समारोह आयोजित किया था। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमार वाई ने अपने सभी समर्थकों, विशेषकर बामेंग की जनता और युवाओं को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास और कल्याण के लिए काम करेंगे और कांग्रेस पार्टी के उत्थान के लिए भी काम करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनावों में नेताओं को जनता के समर्थन से जीतना चाहिए, लेकिन मैंने देखा है कि रुपये के बल पर इस वर्ष भी भाजपा राज्य में बहुमत हासिल कर चुकी है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताया कि भाजपा सरकार विकास के मामले में किसी भी निर्वाचन क्षेत्र के साथ भेदभाव नहीं करेगी और जनता के कल्याण के लिए विकास पैकेजों को समान रूप से साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं जनता के कल्याण के लिए विधानसभा में आवाज उठाऊंगा।

शिक्षकों के लिए जारी किए गए कड़े नियम

गुवाहाटी (हिंस)। अब से स्कूल के हर शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को स्कूल पहुंचने और स्कूल से निकलने की हाजिरी शिक्षा विभाग के शिक्षा सेतु पोर्टल पर आनलाइन लगाना होगा। शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के शिक्षण कर्मियों को यह निर्देश दिया गया है। समय पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने पर वेतन काटा जाएगा। यदि निर्धारित समय से 15 मिनट की देरी होती है या यदि आप पहले स्कूल छोड़ते हैं, तो उस दिन को आकस्मिक अवकाश के रूप में माना जाएगा।

माफिया के घर में अभियान चलाकर असलहा बरामद

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव महकमे के सिमलटापू पुलिस चौकी के अधीन एक नंबर सिमलटापू में पुलिस ने गाय माफिया के घर अभियान चलाकर एक पिस्तोल, एक मेगजीन और पांच जीवित गोली बरामद किया। गोसाईगांव महकमे के अधिकारी हिरेन कुमार डेका और सिमलटापू पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में माफिया साहिदुल इस्लाम मिया के बिस्तर के नीचे छुपाकर रखे गए एक पिस्तोल, एक मैगजीन और पांच जीवित गोली बरामद किया। वहीं आरोपी फरार होने में सफल रहा। हालांकि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

अवैध शराब के साथ दो ट्रक जब्त चालक गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने अवैध शराब को ले जा रहे दो ट्रैकों को चालकों के साथ गिरफ्तार किया है। कछार पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार दिघारखाल टोल गेट के सामने लगाए गए विशेष नाका चेकिंग के दौरान पुलिस की एक टीम ने मेघालय से मिजोरम की ओर आ रहे दो ट्रकों (एएस-28एसी-0192 और एनएल-01 एजी-2862) को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उनमें से 81 कार्टून शराब (केवल मेघालय के लिए बिक्री हेतु लिखी) बरामद की गई। मौके पर पूछताछ के दौरान दोनों वाहनों के चालक शराब से संबंधित कोई भी प्रासंगिक दस्तावेज पेश करने में विफल रहे। तदनुसार उक्त वाहनों को शराब सहित जब्त कर लिया गया। आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू की जा रही है।

दिवंगत हवलदार को असम पुलिस मुख्यालय में दी गई सलामी

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के डीजीपी जीपी सिंह ने हरमीत सिंह, डीजी सीडी, सीजी एचजी और असम पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शनिवार को असम पुलिस मुख्यालय में दिवंगत हवलदार बिमान फूकन को औपचारिक रूप से सलामी दी। दिवंगत हवलदार बिमान फुकन का जन्म 01 अप्रैल, 1968 को हुआ था। वे 07 सितंबर 1993 को 4वीं एपीबीएन में कांस्टेबल के रूप में असम पुलिस सेवा में शामिल हुए थे। वह 1वीं एपीबीएन से 20 सितंबर, 2023 को हवलदार के रूप में 19वीं एपीबीएन में शामिल हुए। दिवंगत फूकन को बीते 08 मई को बिहार में आम संसदीय चुनाव-2024 के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। ड्यूटी के दौरान, उन्हें 30 मई को हीटस्ट्रोक हुआ और उन्हें दिनारा पीएचई, रोहतास, बिहार में भर्ती कराया गया। बाद में बेहतर ईलाज के लिए उसी दिन नारायण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, सासाराम, बिहार में स्थानांतरित कर दिया गया। दुर्भाग्य से 07 जून को लगभग 05.08 बजे, उन्हें कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट (सीपीए) का कारण बताते हुए उपस्थित चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। दिवंगत हवलदार बिमान फूकन भोगमुख, चारिंगिया गांव, टियोक, जोरहाट के निवासी थे। वे अपने पीछे पत्नी और दो बेटों को छोड़ गए। असम पुलिस मुख्यालय में हवलदार फूकन की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उनके परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया गया।

दरंग से भाजपा प्रत्याशी की जीत पर रंगिया में मना जश्न

रंगिया (निसं)। दरंग उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद दिलीप सैकिया ने रंगिया निर्वाचन क्षेत्र से भारी अंतर से जीत हासिल की है। इस खुशी मे उत्तर कामरूप जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत के लिए खुशी मनाई। बड़ी संख्या में उत्तर कामरूप भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी मनाई। वे एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई देते नजर आए। उत्तर कामरूप जिला नेतृत्व ने असम में 11 सीटें हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा के साथ-साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता को भी बधाई दी। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत सरकार बनाने में मदद करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

मधुमेह से पांव में होने वाले विकार समस्या निवारण पर कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित मारवाड़ी हॉस्पिटल के सभागार में मारवाड़ी हॉस्पिटल, सीएमई फाउंडेशन ऑफ इंडिया ओर डायबिटीज सोसाइटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में हॉस्पिटल के कर्मचारी, नर्स आदि के लिए मधुमेह समस्या से पांव में होने वाले विकार के निदान के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के वरिष्ठ चिकित्सक भारत भूषण कुकरेजा, मारवाड़ी हॉस्पिटल के वरिष्ठ मधुमेह विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश अग्रवाल तथा मधुमेह समस्या के निवारण के विशेषज्ञ डॉक्टर सुधीर कुमार जैन ने कार्यशाला में चिकित्सा संबंधी प्रशिक्षण दिया। डॉ. दिनेश अग्रवाल ने मधुमेह से पांव में होने वाले विकार पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारत मधुमेह की राजधानी है और हर 20 सेकंड में मधुमेह विकार के कारण एक पांव को काटना पड़ता है। इसकी जानकारी डॉक्टर, नर्स, रोगी और जनता जनार्दन को बहुत कम होती है। अत: इसके बारे में आज जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया है। जिसमें हॉस्पिटल के नर्स एवं चिकित्सा संबंधी जुड़े हुए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में हर एक सेकंड में कटने वाले पांव को बचाने की मुहिम चलाई गई है। हमारे पांव के अंदर 24 हड्डी, 26 जॉइंट और 44 मांसपेशियां है। रोगी के शरीर व पांव में विकार उत्पन्न होने पर मधुमेह के चलते इन हड्डियों, जॉइंट और मांसपेशियों में दर्द की अनुभूति नहीं होती। जिसके कारण समस्या बढ़ती ही चली जाती है और अंत में पांव को काटना पड़ता है। इसके लिए पांव की नियमित जांच व देखभाल जरूरी है। डॉक्टर भारत भूषण कुकरेजा ने कहा कि किसी भी मधुमेह है रोगी को जीवन में 50त्न आशंका डायबिटीज के चलते पांव कटने की रहती है। रोगी को अपने पांव की सुरक्षा में विशेष ध्यान देना चाहिए। जैसे कैसे जूते पहने, कैसे नाखून को साफ रखना है, उंगलियों के बीच के मेल को कैसे साफ किया जाए तथा अपनी चाल को कैसे रखनी है, तथा समय-समय पर शरीर की चमड़ी के ऊपर औषधिय लेप लगाते रहना चाहिए ताकि उनके पांव नरम रहे। डॉक्टर सुधीर जैन ने कहा कि मधुमेह से पांव के विकार की समस्या आज इतनी जटिल हो गई है कि रोगी के पांव की दुर्दशा हो जाती है। मधुमेह रोगी को न्यूरोपैथी हो जाती है। जिससे पांव का सूनापन कहा जाता है। जिसके चलते साधारण चोट भी गंभीर परिणाम दे देती है। कारण न्यूरोपैथी में सहयोगी को किसी भी दर्द की अनुमति नहीं होती है। अत: छोटी सी चोट अंदर ही अंदर बढ़कर भयंकर रोग बन जाती है। और अंत में सेफ्टीक का रूप धारण कर लेती है। जिसके चलते पांव को काटना पड़ता है। आज के कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सा निदेशक जेपी शर्मा के अलावा अन्य कई पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

भारी मात्रा में ड्रग्स समेत दो गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग जिलांतर्गत बोकाजान के लाहरीजान इलाके में पुलिस की टीम में गुप्त सूचना के आधार पर नियमित तलाशी के दौरान भारी मात्रा में ड्रग्स समेत दो तस्करों की गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि लाहरीजान पुलिस चौकी द्वारा नियमित तलाशी के दौरान 845.577 ग्राम हेरोइन को कार (एमएन-01एऐक्स-1752) से बरामद किया गया। हेरोइन 78 साबुनदानी में छुपा कर लाया जा रहा था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मणिपुर के थौवाल जिला के सैयद वहीदुर रहमान (28) और पूर्व इंफाल जिले के मोहम्मद रजाक अहमद (42) के रूप में की गई है। जब्त की गई हेरोइन को मणिपुर से लाया गया था। बरामद हेरोइन की कीमत लगभग 2 करोड रुपए से अधिक आंकी गई है।

जंगल में भटक रहे हाथी के बच्चे को एसएसबी ने अपने कब्जे में लिया

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 24वीं वाहिनी की सीमा चौकी नालापाड़ा को मिली सूचना के आधार पर वाहिनी की एक टीम ने वन विभाग नुनाकुथी व वन्यजीव अभयारण्य, राजागढ़ के साथ मिलकर एक हाथी का बच्चा बरामद किया। जो कि भारत-भूटान सीमा से लगभग 4.5 किमी दूर भारतीय क्षेत्र में स्थित गांव-बोरंगाजुली-01, थाना-दीमाकुची, जिला-उदालगुड़ी के समीप इधर उधर घूम रहा था। अनुमान लगाया जा रहा है कि उक्त हाथी के बच्चे की आयु करीब 09 दिन हुई है और वह अपने समूह से बिछड़ गया है। बल वाहिनी द्वारा हाथी के बच्चे को वन विभाग नुनाकुथी व वन्यजीव अभयारण्य, राजागढ़ को सुपुर्द कर दिया गया।

यूनिसेफ इंडिया और एसएसडीएस का वेब कार्यशाला आयोजित

रंगिया (विभास)। यूनिसेफ इंडिया और एसएसडीएस द्वारा एक वेब कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जलवायु परिवर्तन और परवरिश *माता-पिता का बच्चों के व्यक्तित्व के विकास में योगदान के विषय* पर चर्चा की गई। परिचर्चा का संचालन हरदोई से यूनिसेफ के मीडिया पार्टनर अभय शंकर गौड़ ने किया और इसमें देश के विभिन्न प्रदेशों क्रमश: उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उड़ीशा, महाराष्ट्र, राजस्थान, असम, मेघालय, कर्नाटक आदि राज्यों के रेडियो और दूरदर्शन के पत्रकारों के साथ-साथ बच्चों की भूमिका को उजागर करने के लिए के स्काउट और गाइड के राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान से बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति सजग करना, बच्चों की परवरिश में माता-पिता को बच्चों के इंडोर दिमागी वा मानसिक एक्सरसाइज करने वाले खेलो को प्रोत्साहित करना, पीने के पानी का महत्व और पानी की बचत के साथ-साथ भूमिगत जल का रिचार्ज करने के लिए लोगों को जागरूक करना था। इस वर्कशॉप में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम *खेल बच्चों के लिए आवश्यक* पर भी चर्चा की गई। इस दौरान बच्चों को खेल के प्रति सक्रिय करने के लिए स्काउट और गाइड के बच्चों ने ग्राउंड जीरो से अपने योगदान को बताया। वर्कशॉप में यूनिसेफ इंडिया की मीडिया स्पेशलिस्ट अलका गुप्ता तथा न्यूयार्क से मीडिया कम्युनिकेशन मैनेजर सोनिया सरकार, स्काउट और गाइड संगठन आयुक्त रमेश वर्मा तथा हरदोई के स्काउट मास्टर पंकज वर्मा भी उपस्थित रहे।

गोलाघाट में चार ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट के अरेंगापाड़ा में पुलिस की छापेमारी में नशीली गोलियों के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। एक स्विफ्ट डिजायर के जरिए गोलियों की सप्लाई करके भागने की कोशिश करते हुए गोलाघाट पुलिस ने पीछा करके गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए तस्करों में से तीन की पहचान कार्बी आंगलोंग जिले के कोयला माटी निवासी जिरजर तेरोन, हरबमोंग इंग्ती और सेलेंग तेरान के रूप में है। जबकि, एक अन्य की गोलाघाट के पापू दास के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि लाल रंग की स्विफ्ट डिजायर को पुलिस ने गोलाघाट के पापू दास से नशे की गोलियां खरीदकर चलते हुए अवस्था में पकड़ा। फिलहाल पुलिस ने चारों लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ जारी रखते हुए जांच शुरू कर दी है।

माहेश्वरी महिला समिति की अभिनव पहल साड़ी वॉकथन

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय संस्कृति हमारा अभिमान है और हमारा पहनावा संस्कारों की पहचान। समय के साथ भारतीय महिलाओं का पारंपरिक पोशाक साड़ी पहनना धीरे धीरे कम होता जा रहा है। अब तो पर्व त्यौहार या मन्दिरों में भी साड़ी का चलन लुप्त प्राय है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए माहेश्वरी उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के निर्देश में देश भर में एक ही समय में एकसाथ आयोजित साड़ी वॉकेथन कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला समिति, गुवाहाटी के तत्वावधान में एक साड़ी रैली आयोजित की गई। इस रैली का शुभारम्भ डेप्यूटी मेयर स्मिता रॉय व राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्या सरला काबरा के करकमलों से हुआ। असम माहेश्वरी भवन से आरम्भ हुई इस यात्रा में असम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवानदास दम्माणी, माहेश्वरी सभा अध्यक्ष सीताराम बिहानी, उपाध्यक्ष धनराज झंवर आदि के साथ प्रसिद्ध गाइनोकोलॉजिस्ट डॉ. कंचन मुरारका, एडवोकेट मेघा काबरा, कल्याण आश्रम की अध्यक्ष संतोष मुंदड़ा, मारवाड़ी एकता मंच की कार्यवाहक अध्यक्ष शारदा केडिया आदि उपस्थित हुए। विनीता मुंदड़ा ने निर्मला सीतारमन की वेशभूषा में भाग लिया। सभी पदाधिकारियों व विशिष्ट अतिथियों का फुलाम गमछा से सम्मान किया गया। यह शोभा यात्रा श्याम मंदिर छत्रीबाड़ी तक शालीनता पूर्वक संपन्न हुई। मंदिर में इसी विषय से संबंधित एक बोर्ड लगाया गया जिसका अनावरण पूर्वोत्तर उपाध्यक्ष सीता झंवर, निवर्तमान पूर्वोत्तर अध्यक्ष वंदना सोमानी व कोषाध्यक्ष रूपा गग्गड ने किया। अध्यक्ष बर्षा सोमानी, सचिव पुष्पा सोनी, कोषाध्यक्ष मधुलिका चांडक, संयोजक सीमा सोनी व संगीता पेड़ीवाल, निवर्तमान अध्यक्ष सरला लाहोटी, शोभा लड्ढ़ा, शोभना लड्ढ़ा, पार्वती बिड़ला, बबीता काबरा, ममता मल्ल आदि समिति सदस्याओं तथा पूर्वोत्तर समिति की कई सदस्याओं के साथ लगभग नब्बे से ऊपर महिलाओं ने पीली साड़ी व लाल दुपट्टे में इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रात: छ: बजे आयोजित इस शोभायात्रा में हाथों में साड़ी के सम्मान व संस्कृति से संबंधित स्लोगन के प्लकार्ड व भगवा ध्वज लिए जय महेश के उद्घोष के साथ सभी बहनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

संपादकीय

गठबंधन 'विशेष दर्जे' तक

नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुन लिया गया है। चूंकि लोकसभा में भाजपा-एनडीए के सर्वाधिक 293 सांसद निर्वाचित हुए हैं और यह स्पष्ट बहुमत से ज्यादा का आंकड़ा है, लिहाजा मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना तय है। भाजपा के सभी सहयोगी दलों ने, नेताओं के हस्ताक्षरों समेत, समर्थन-पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दिए हैं। सिर्फ यह औपचारिकता शेष है कि भाजपा-एनडीए संसदीय दल भी मोदी को अपना नेता चुनें। ये तमाम कवायदें 7 जून तक निपट जानी हैं और फिर प्रधानमंत्री तथा कैबिनेट का शपथ-ग्रहण होगा। यहीं राजनीति और सरकार बनने की प्रक्रिया का पटाक्षेप नहीं होगा, बल्कि गठबंधन सरकार की अग्नि-परीक्षा की शुरुआत होगी। भाजपा-एनडीए आंकड़ों के चुनाव में तो सफल रहा, लेकिन मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार कब तक अस्तित्व में रहेगी, यह बेहद अहम सवाल है। मोदी सरकार के अस्तित्व में आते ही उलटी गिनती भी शुरू हो जाएगी, क्योंकि भाजपा और तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) तथा जद-यू की राजनीतिक मानसिकताएं विरोधाभासी हैं। वे साथ भी रहे हैं और अलगाव भी देते रहे हैं। उनके राज्यों-आंध्रप्रदेश और बिहार-की बुनियादी मांग रही है कि उन्हें 'विशेष दर्जे का राज्य' घोषित किया जाए। इसमें वित्त आयोग की निर्णायक भूमिका होती है। किन आधारों, परिस्थितियों, भौगोलिक संरचना, आबादी, आदिवासी आदि पर यह 'विशेष दर्जा' दिया जाएगा, यह वित्त आयोग ही तय करके भारत सरकार को अनुशंसा भेजता है। चूंकि 2014 में यूपीए सरकार के दौरान आंध्र का विभाजन कर 'तेलंगाना' नया राज्य बनाया गया था, लिहाजा 'विशेष दर्जे' की मांग लगातार जारी रही है। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने विपक्ष के साथ मिल कर आंदोलन भी किया था और अब चुनाव भी जीता है, लिहाजा वह शीघ्र ही आंध्र के नए मुख्यमंत्री बनेंगे। वहां सत्ता में भागीदारी भाजपा की भी होगी। आंध्र पर अब 3.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। आंध्र के पुराने संसाधन भी छिन चुके हैं, लिहाजा आर्थिक और कारोबारी तौर पर स्वावलंबी होने के लिए आंध्र को केंद्र की मदद की दरकार है। अभी तक पूर्वोत्तर, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड आदि 11 राज्यों को ही 'विशेष दर्जा' हासिल है। चूंकि ओडिशा में भाजपा सरकार बनाने जा रही है और वह भी एक गरीब और पिछड़ा राज्य है, लिहाजा उसे भी 'विशेष दर्जा' देने की मांग उठती रही है। अब तो भाजपा ही प्रत्यक्ष रूप से जवाबदेह होगी। मौजू सवाल है कि क्या मोदी की गठबंधन सरकार 'विशेष दर्जे' की मांग के सहारे ही चलेगी? कितने राज्यों को 'विशेष दर्जा' देना और सहायता करना मुनासिब है? यदि यह मांग पूरी नहीं की गई, तो क्या टीडीपी और जद-यू मोदी सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे? यदि सरकार अल्पमत में आ गई, तो क्या देश में मध्यावधि चुनाव की संभावनाएं पैदा हो जाएंगी? क्या राष्ट्रपति विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन को सरकार बनाने का मौका नहीं देंगी? इन सवालों पर अभी से चर्चा शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी निर्बाध, निष्कंटक काम करने के आदी रहे हैं। उनके कदम कुछ निर्णयों से पहले ही ठिठक सकते हैं। मसलन-भाजपा ने 2029 तक महिला आरक्षण लागू करने का वायदा किया था। यह परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकता है। दक्षिण में इसका असर पड़ सकता है, लिहाजा टीडीपी परिसीमन के विरोध में है। भाजपा को अब काशी-मथुरा के मुद्दे पर मद्धिम गति करनी पड़ेगी। जद-यू सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में विनिवेश के विरोध में रही है। अब क्या भाजपा को कदम पीछे खींचने पड़ सकते हैं? टीडीपी आंध्र में मुसलमानों को 4 फीसदी आरक्षण के पक्ष में है, जबकि प्रधानमंत्री ने पूरे चुनाव में इसके खिलाफ प्रचार किया है और लोगों को आश्वस्त किया है। इस बिंदु पर टकराव की नौबत आई, तो क्या होगा? देखना है कि मोदी गठबंधन को कितना झेलते हैं और सहयोगी दलों की कितनी शर्तें मानते हैं। यह बहुत मुश्किल और पेचीदा सरकार होगी, ऐसा हमें लगता है।

लोकसभा में भाजपा-एनडीए के सर्वाधिक 293 सांसद निर्वाचित हुए हैं और यह स्पष्ट बहुमत से ज्यादा का आंकड़ा है, लिहाजा मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना तय है। भाजपा के सभी सहयोगी दलों ने, नेताओं के हस्ताक्षरों समेत, समर्थन-पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दिए हैं। सिर्फ यह औपचारिकता शेष है कि भाजपा-एनडीए संसदीय दल भी मोदी को अपना नेता चुनें। ये तमाम कवायदें 7 जून तक निपट जानी हैं और फिर प्रधानमंत्री तथा कैबिनेट का शपथ-ग्रहण होगा। यहीं राजनीति और सरकार बनने की प्रक्रिया का पटाक्षेप नहीं होगा, बल्कि गठबंधन सरकार की अग्नि-परीक्षा की शुरुआत होगी। भाजपा-एनडीए आंकड़ों के चुनाव में तो सफल रहा, लेकिन मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार कब तक अस्तित्व में रहेगी, यह बेहद अहम सवाल है। मोदी सरकार के अस्तित्व में आते ही उलटी गिनती भी शुरू हो जाएगी, क्योंकि भाजपा और तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) तथा जद-यू की राजनीतिक मानसिकताएं विरोधाभासी हैं।

अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई

अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता हैं

ललित गर्ग

अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। वहीं, गुजरात, छतीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की राजनीति में अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता है। वे अब भी अपने चौंकाने वाले एवं आश्चर्य में डालने वाले विलक्षण एवं अनूठे फैसलों से राष्ट्र को विकास की नई उड़ान देते रहेंगे। भाजपा को कम सीटें मिले कारणों की समीक्षा एवं मंथन करते हुए अपनी हार के कारणों को सहजता एवं उदारता से स्वीकारना चाहिए एवं जिन गलतियों के कारण कम सीटें मिली, उन्हें दूर करना चाहिए। इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इंडिया गठबंधन ने ई.वी.एम. और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के भ्रामक, गुमराह करने वाली बातों एवं मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम-जिहादी-सम्प्रदायवादी राजनीतिक समूह अपने इस वाहियात प्रलाप एवं राष्ट्र-विरोधी षड़यंत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिये चुनाव परिणाम अनेक अर्थों में संतोषजनक रहे हैं। कांग्रेस के लिये यह चुनाव नये जीवन का वाहक बना हैं। वैसे भी एक आदर्श लोकतंत्र के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है, यही लोकतंत्र को खूबसूरती देता है। भारतीय मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन को विपक्षी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने का संदेश दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम अनेक राजनीतिक दलों के सामने भी अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के पहले भाजपा मुख्यालय में दिये उद्बोधन एवं गठबंधन दलों के साथ हुई बैठक में इन सवालों के जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आती। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी भी गठबंधन सरकार की चुनौतियों से जूझते रहे। लेकिन मोदी की स्थितियां भिन्न है, वे राजनीति के धुंरधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा विश्वास है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब-जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी। वैसे भी भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू, शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत कार्य करने के कारण वह ऐसी सरकार के संचालन के तौर-तरीकों से अवगत हैं, लेकिन स्वयं उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा। लेकिन वे भाजपा संगठन में अनेक पदों पर रहते हुए संगठन की गतिविधियों के कुशल संचालन से भिज्ञ है। देश-विदेश के दबावों को झेलते हुए उन्होंने भारत को एक शक्ति के रूप में खड़ा किया है, दुनिया जब आर्थिक संकट झेल रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, निश्चित ही गठबंधन सरकार का उनका संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल को एक नया आयाम देगी। उनके पास चुनौतियों के बीच देश की समस्याओं का समाधान करने की एक राजनीतिक दृष्टि एवं कौशल है। गठबंधन सरकारों के कुछ सकारात्मक पक्ष होते हैं तो कुछ नकारात्मक पक्ष भी। गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने वाले को घटक दलों से समन्वय के साथ चलना होता है। इसमें समस्या तब आती है, जब घटक दल अनुचित मांगें मनवाने लगते हैं अथवा सौदेबाजी करने की कोशिश करते हैं या फिर अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति के लिए दबाव की राजनीति करने लगते हैं। इन स्थितियों की निबटने के लिये मोदी सरकार पहले ही अन्य निर्दलयी सांसदों एवं अन्य राजनीतिक दलों को अपने साथ जोड़ने का उपक्रम कर रही है।

तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा।

दृष्टि कोण

राज्य में कब बनेगा खेल प्राधिकरण

हिमाचल प्रदेश में पिछली भाजपा सरकार में पहले तो खेल नीति पर काफी चर्चा पर चर्चा होता रही, मगर फिर खेल मंत्री राकेश पठानिया के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश सरकार की खेल नीति को कागजों में नया स्वरूप मिल ही गया। इस नीति में स्तरीय ढांचे की बात तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की गई जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठाकर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सकें। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण, तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। पिछली भाजपा सरकार नई खेल नीति तो बना गई, मगर उसे धरातल पर उतारने से पहले ही सत्ता से बेदखल हो गई। नई बनी कांग्रेस सरकार से हिमाचल के खेल प्रेमियों को काफी आशा है। पहले विक्रमादित्य सिंह और अब यादविंदर गोमा खेल मंत्री हैं। क्या कांग्रेस सरकार हिमाचल में खेल प्राधिकरण बनाकर खेलों का व्यापक स्तर पर कायाकल्प करेगी? हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बनकर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी

तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाडियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा, तो वास्तव में सरकारी तंत्र कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाता है। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाडियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम दे पाया हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोडक़र अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्य भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमियां खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही पर्याप्त प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नगद ईनामी राशि व अवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप हर विद्यार्थी को फिटनेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे, तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए प्राधिकरण के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगने चाहिएं तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध हो, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात हो। जो खेल छात्रावास के बाहर हों, उन्हें भी खेल छात्रावास के अंतर्गत दैनिक खुराक भत्ता व अन्य सुविधाओं के ऊपर खर्च होने वाली राशि के बराबर वजीफा देने की वकालत हो। जिन अवार्डी खिलाडियों व प्रशिक्षकों के पास कोई नौकरी नहीं है, उन्हें साठ साल आयु के बाद पेंशन का प्रावधान हो। भारतीय खेल प्राधिकरण उपरोक्त ऐसी सभी योजनाओं को लागू करवाता है।

कुछ अलग

नियत कर्म : एक अपरिहार्य कर्म

गत अंक से आगे श्रीवृष्ण मुफ्तखोरी के विरुद्ध थे। वह इस विचार के विरुद्ध थे कि यज्ञ के माध्यम से स्वर्ग मिल सकता है। इन्द्र की पूजा-सामग्री को गोवर्धन को सर्मपित कराकर उन्होंने यह संकेत दिया है कि जो परिश्रम करे वह ही फल भुगते। गोवर्धन की पूजा के माध्यम से उन्होंने देवों की उस सोच को नकार दिया कि हवियों पर देवों का सहज रूप से आधिपत्य है। जब देवों का हवियों पर अधिकार जाता रहा तब उन तक हवियों को पहुंचाने वाले मध्यस्थ वर्ग अर्थात पुरोहित वर्ग की भूमिका भी समाप्त हो गयी। श्रीवृष्ण ने स्वर्ग का खण्डन नहीं किया अपितु यज्ञ से स्वर्ग मिलता है, इस धारणा का खण्डन किया है अन्यथा वह अर्जुन को यह न कहते कि, नियतकर्म करते हुए अर्थात युद्धकर्म करते हुए, मर जाओगे तो स्वर्ग प्राप्त करोगे। श्रीवृष्ण नियतकर्म के परिणाम स्वरूप मिलने वाले स्वर्ग के पक्षधर थे। उनका मानना है कि, स्वर्ग, कर्मो का परिणाम है। यह नियतकर्म के फलस्वरूप मिलता है न कि स्वर्ग प्रदाता यज्ञों से, जिनका विधान वेदों में मिलता है। इस प्रकार श्री वृष्ण के मत में स्वर्ग, पलायन स्थल न होकर कर्म के आधार पर मिलने वाला पुरस्कार स्थल है। दु:खों को जीने की तुलना में दु:खों से पीछा छुड़ाने की मनोदशा से औपनिषदिक आचार्यो ने भी चिन्तन का प्रयास किया है। जैसे उत्तर वैदिक विद्वानों ने स्वर्ग को दु:खद स्थितियों से परे मानकर मृत्युलोक से स्वर्ग लोक जाने को ही पुरुषार्थ मान लिया उसी दिशा में चलते हुए औपनिषदिक आचार्यो ने मुत्ति अवस्था की कल्पना की और यह मान लिया कि मुत्ति अवस्था में आ जाने के उपरान्त मृत्युलोक में दुबारा अवतररित नहीं होना पड़ता है। इस अवस्था में आनन्द तो स्वर्ग जैसा ही मिलता है, परन्तु स्वर्ग का आनन्दमय जीवन क्षणिक होता है, पुण्य पर्यंन्त ही होता है जबकि इस अवस्था का आनन्द, न नष्ट होनेवाला होता है। इस कारण यह आनन्द, आनन्द के नष्ट होनेवाले भय से रहित होता है। मुत्ति भी साधनासाध्य समझी गयी है। इसकी भी साधना में मृत्युलोक को हेय समझा गया है। दु:खद समझा गया है। यहां के सम्बन्धों को बन्धन के रूप में समझा गया है। बार-बार जठराग्नि में तपने से होने वाली पीड़ा से उबरने के लिए मुत्तिसाधना के माध्यम से प्राप्त होनेवाली स्थिति ही अन्तिम पुरुषार्थ के रूप में समझी गयी। मुत्तिसाधना में यज्ञविधान को नकारा गया है। इस साधना के लिए किसी मध्यस्थ को स्वीकार नहीं किया गया है, परन्तु गुरु को प्रतिष्ठा मिली है। गुरु साधना का मार्गदर्शक भर है। वह परमात्मा और मुमुक्षु के मध्य केवल मार्गदर्शक की भूमिका में रहता है। वह साधक की साधनाओं का वाहक नहीं है, जैसा स्वर्ग हेतु होने वाले यज्ञों के पुरोहित हुआ करते थे। स्वर्गसाधना की भांति मुत्तिसाधना भी वैयत्तिक साधना है। मृत्युलोक से पलायन ही इस साधना का मुख्य उद्देश्य है। जन्म जरा और मरण की प्रव्रिया में दुबारा न लौटना पड़े, यही मुत्ति साधना का लक्ष्य है। जठराग्नि की तपन से मुत्ति का प्रयास तो भगवान् बुद्ध का भी रहा है। वह उत्तर वैदिक आचार्यो के कर्मकाण्ड के कारण उत्पन्न हुए सामाजिक विषमताओं से भी व्यथित थे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए उन्होंने आत्मा की अजरता एवं अविनाशिता का विरोध किया। जब आत्मा नित्य या अविनाशी नहीं है तो उसके आनन्द के लिए की जा रही साधनाओं-स्वर्गार्थ या मुक्त्यर्थ साधनाओं का कोईं अर्थ नहीं रह जाता है। उन्होंने आत्मा को क्षणिक विज्ञानों प्रवाह मात्र समझा है। क्षणिक और निरन्तर परिवर्तनशील आत्मा नित्य वैसे ही है जैसे दीपक की लौ, जो हरक्षण बुझती और जलती है, परन्तु दिखती नित्य सी है। जठराग्नि से बचने के लिए उनकी साधना है-बारह गुरियों की माला तोड़ना, जिसको जोड़ने वाला कोईं धागा नहीं है।

देश दुनीया से

अमेरिका में कट्टरपंथियों का ठिकाना, फिर भी नहीं वहां के आदर्शों की परवाह

अमेरिका और बांग्लादेश में जो अंतर है, ढाका और न्यूयॉर्क में वही अंतर है। अमेरिका चूंकि बांग्लादेश की तुलना में अत्यधिक विकसित और सभ्य देश है, इस कारण बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अमेरिका की स्थायी नागरिकता पाने के लिए अमेरिका जाते हैं। कट्टर मुस्लिम भी, जो हमेशा धर्म के नशे में चूर रहते हैं, ईसाइयों-यहूदियों से घृणा करते हैं, उन्हें गाली देते हैं, मौका मिलने पर वे भी अमेरिका जाने का जुगाड़ बिठाते हैं। वे अगर चाहें, तो आराम से अरब देशों में बस सकते हैं, पर वे ऐसा नहीं करते। बांग्लादेशियों को भी अमेरिका बहुत आकर्षित करता है।

कुछ दिनों पहले न्यूयॉर्क में सुचित्रा सेन चलचित्र उत्सव का आयोजन हुआ। इसका आयोजन न्यूयॉर्क में रह रहे अनिवासी बांग्लादेशियों ने किया था। इससे कुछ ही दिनों पहले न्यूयॉर्क में बांग्ला पुस्तक मेला और साहित्य अनुष्ठान आयोजित हुए थे। इनके आयोजक भी अनिवासी बांग्लादेशी थे। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका में रहने वाले सभी बंगाली शायद प्रगतिशील हैं, सभी शायद साहित्य या संस्कृति प्रेमी हैं। क्या सच में ऐसा है? बेशक ढाका और न्यूयॉर्क में बहुत अंतर है। अमेरिका और बांग्लादेश में जो अंतर है, ढाका और न्यूयॉर्क में वही अंतर है। अमेरिका चूंकि बांग्लादेश की तुलना में अत्यधिक विकसित और सभ्य देश है, इस कारण बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अमेरिका की स्थायी नागरिकता पाने के लिए अमेरिका जाते हैं। कट्टर मुस्लिम भी, जो हमेशा धर्म के नशे में चूर रहते हैं, ईसाइयों-यहूदियों से घृणा करते हैं, उन्हें गाली देते हैं, मौका मिलने पर वे भी अमेरिका जाने का जुगाड़ बिठाते हैं। वे अगर चाहें, तो आराम से अरब देशों में बस सकते हैं, पर वे ऐसा नहीं करते। बांग्लादेशियों को भी अमेरिका बहुत आकर्षित करता है। अमेरिका की नागरिकता मिलने पर उनका जीवन धन्य हो जाए। स्थायी निवास के लिए उन्हें ईसाइयों, यहूदियों और नास्तिकों का देश अमेरिका ही पसंद है। बहुत लोग तो जोखिम उठाकर भी पश्चिमी देशों में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। रात के अंधेरे में नाव से भूमध्यसागर पार कर यूरोप पहुंचते हैं। नाव के डूब जाने से बहुतों की जान भी जाती है। इसके बावजूद नाव से समुद्र पार करने की जोखिम भरी कोशिशों पर विराम नहीं लगता। अरब देश में हज करने जाने, अरब देशों की पोशाक पहनने, अरब देशों की भाषा और आचार-व्यवहार का अनुसरण करने और अरब लोगों को महामानव समझने के बावजूद बांग्लादेश के लोग अरब देशों में बसने की उत्सुकता नहीं दिखाते। इसके बजाय अरब देशों में श्रमिक का काम करने गए लोग जितनी जल्दी संभव हो सके, घर लौट आने के बारे में सोचते हैं। और अरब देशों में लोगों के घरों में काम करने वाली बांग्लादेशी महिलाएं अपनी जान बचाने के लिए घर लौट आती हैं, या फिर लाश बनकर लौटती हैं। अमेरिका बांग्लादेशियों को आकर्षित करता है, तो उसकी वजह है। अमेरिका में नौकरी करने, व्यापार करने, स्वतंत्रता से चलने-फिरने, अपने धर्म का पालन करने, बच्चों को स्कूलों में मुफ्त में पढ़ाने की सुविधा है। वहां रुपये-पैसे न रहने पर फूड पैकेट मिलता है, मुफ्त में इलाज, दवा, आया आदि की सुविधा है। सर्वोपरि, अमेरिका में मानवाधिकार पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है, जबकि बांग्लादेश में मानवाधिकार की किसी को परवाह ही नहीं है। इसके बावजूद अमेरिका में रहने वाले ये लोग अमेरिकी आदर्शों को थोड़ा भी नहीं मानते। अमेरिका इन्हें उदार नहीं बना पाता। अमेरिका में रहते हुए भी ये बांग्लादेशी बने रहते हैं। भोजन की खोज इन्हें हलाल मीट की दुकान पर ले जाती है। अमेरिका में आने के बावजूद ये बांग्लादेश का

पहनावा नहीं छोड़ते। महिलाएं बुर्का और नकाब नहीं छोड़तीं। अमेरिका में रहते हुए भी ये धार्मिक कट्टरता को बरकरार रखते हैं। ये मानते हैं कि उनका धर्म दुनिया में सबसे श्रेष्ठ धर्म है। वहां रहकर भी ये लोग मानते हैं कि ट्विन टावर्स को ध्वस्त कर देने वाले आतंकवादियों ने बहुत बड़ा काम किया था। इनमें से कुछ तो यह सपना तक देखते हैं कि पश्चिम के तमाम देश मुस्लिमों से भर गए हैं और यह पृथ्वी सिर्फ मुस्लिमों के लिए है। बांग्लादेशियों की नई पीढ़ी में अमेरिका जाने की इच्छा प्रबल है। यही नहीं, ये लोग अपने देश से बाहर यह बताने में भी कतराते हैं कि उनके माता-पिता बांग्लादेशी हैं। दूसरी ओर, अपने घर में कट्टरवादियों द्वारा लगातार ब्रेनवॉश किए जाने के कारण कुछ लोग अपने धर्म को श्रेष्ठ समझने लगते हैं। इस तरह के भटके हुए लोग दूसरे देशों के मुस्लिमों को अपना समझने की गलती कर डालते हैं। हालांकि दूसरी तरफ यह भी सच है कि अमेरिका में पैदा हुई पीढ़ी के अनेक बच्चे बांग्ला में बातचीत करते हैं, बांग्ला गीत गाते हैं। हालांकि यह इस पर निर्भर करता है कि इन बच्चों के माता-पिता घर में बांग्ला संस्कृति को कितना प्रोत्साहित करते हैं। अनिवासी बांग्लादेशियों ने अमेरिका के विभिन्न शहरों में छोटे-छोटे बांग्लादेश बना लिए हैं। पश्चिम उनके जीवन-यापन और सोच-विचार में किसी प्रकार का बदलाव नहीं ला पाया है। अमेरिका में रह रहे बांग्लादेशी अब भी जात-पांत, अंधविश्वास और कठोर पुरुषतंत्री सोच में जकड़ा हुआ है। इनके अपने देश में नारी विरोध का जो इतिहास है, उसे ये बांग्लादेशी बंगाल की खाड़ी के किनारे से अटलांटिक और प्रशांत महासागर के किनारे तक ढोकर ले आए हैं। अनिवासी नागरिक शायद ऐसे ही होते हैं। जिस मिट्टी से वे आते हैं, आजीवन उसी मिट्टी से जुड़े रहते हैं। विदेशी संस्कृति से वे वस्तुतः उतना ही ग्रहण करते हैं, जितना उनके रोजगार के लिए जरूरी होता है। लेकिन सोच-विचार की दरिद्रता से मुक्ति पाने के लिए जिस दर्शन की जरूरत होती है, उसे वे कभी जान-सीख-अपना नहीं सकते। वे आजीवन सिर्फ उसी पर चर्चा करते हैं, जो अपने देश से सीखकर आए होते हैं। मैं यह नहीं कह रही कि न्यूयॉर्क में बांग्ला साहित्य और संस्कृति के कर्णधारों ने सिर्फ मुझे ही प्रतिबंधित किया। हो सकता है, और भी लेखकों-कवियों-संस्कृतिकर्मियों को उन्होंने प्रतिबंधित किया हो, और भविष्य में भी करते रहेंगे। और वहां आमंत्रित कवियों-लेखकों ने न तो इस प्रतिबंध के विरोध में कुछ कहा, न भविष्य में कुछ कहेंगे। धारा के विरुद्ध चलने वाले या अलग विचार रखने वालों की उपेक्षा करते हुए बांग्ला पुस्तक मेला इसी तरह सालोंसाल आयोजित होते रहेंगे। इसी कारण मैं कहती हूं कि बांग्लादेश और अमेरिका में भले ही फर्क हो, लेकिन इन जगहों में रहने वाले बांग्लादेशियों में आपको कोई अंतर नहीं दिखेगा। जिस तरह ढाका में होने वाले पुस्तक मेले में मेरा प्रवेश प्रतिबंधित है, ठीक उसी तरह न्यूयॉर्क में होने वाले पुस्तक मेले में भी मुझे प्रतिबंधित किया जाता है। सात समुद्र पार बस जाने के बावजूद संकुचित बंगाली संकुचित ही रह जाता है।

आप का नजरीया

भूमि पर रेंगती मौत है मरुस्थलीकरण, लाखों लोगों की आजीविका छीन रही यह वास्तविकता

भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण, और सूखा प्रतिरोधकता। इस महत्वपूर्ण और चुनौती भरे विषय पर केंद्रित इस वर्ष का विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टीफिकेशन (यूएनसीसीडी) की पार्टियों का 16वां सम्मेलन रियाद में 2 से 13 दिसंबर तक होना है। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में विश्व को भूमि की सुरक्षा व जलवायु परिवर्तन के सामने मरुस्थलीकरण और सूखे से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्यवाही की तत्काल आवश्यकता को पहचानने का आह्वान किया गया है। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता व आजीविका के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं, जिससे पारिस्थितिक रूप से सुदृढ़ भूमि प्रबंधन प्रथाओं को अपनाना अनिवार्य हो जाता है। प्रत्येक बीते वर्ष के साथ, इन चुनौतियों से निपटने की तात्कालिकता और अधिक स्पष्ट हो जाती है, जिससे हमें उनके प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व की अनुभूति होती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित जितने भी अंतरराष्ट्रीय दिवस हैं, उनमें पर्यावरण दिवस ऐसा है, जिसे उत्साह और चिंतन के साथ मनाया जाता है। हमारे ग्रह के भूमि संसाधनों के लिए मरुस्थलीकरण सबसे घातक खतरों में से एक है, जो चुपचाप पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और आजीविका पर अतिक्रमण कर रहा है। मरुस्थलीकरण वास्तव में भूमि पर रेंगती मौत है। एक बार यह जिस भूखंड पर रेंग जाता है, वह भूमि का मृत हिस्सा बनकर रह जाता है, वहां की मिट्टी सांस नहीं ले सकती, वहां कोई पौधा नहीं पनप सकता, वहां जीवन की खाद्य श्रृंखला टूट जाती है। मरुस्थलीकरण कोई यकायक घटी प्रलयंकारी घटना नहीं, वरन भूमि क्षरण की क्रमिक प्रक्रिया है, जिसमें वनस्पति की हानि, मिट्टी का क्षरण और जल संसाधनों की कमी सम्मिलित है। यह शुष्क, अर्ध शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों में होता है, जहां जलवायु परिवर्तन और अस्थिर भूमि प्रबंधन प्रथाएं और शहरीकरण भूमि के क्षरण में योगदान करते हैं, जिससे मरुस्थलीकरण का प्रसार बढ़ता है। मरुस्थलीकरण प्राकृतिक और मानवीय दोनों प्रणालियों को प्रभावित करते हैं। इससे पारिस्थितिक तंत्रों में जैव विविधता की हानि, मिट्टी की उर्वरता में कमी तथा सूखे और वनों की आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं की एक अटूट श्रृंखला शुरू हो जाती है। दुनिया भर के कई क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण एक कठोर वास्तविकता बन गया है, जिससे लाखों लोगों की आजीविका को खतरा है और सतत विकास के प्रयास कमजोर हो रहे हैं। विशेष रूप से अफ्रीका में विशाल भूमि मरुस्थलीकरण की निरंतर प्रगति का शिकार हो रही है। मरुस्थलीकरण की गंभीर वास्तविकताओं के बीच कार्यवाही के लिए आशा और अवसर उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस गंभीर चुनौती से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने का प्रयास किया है। 1994 में अपनाया गया यूएनसीसीडी इस दिशा में एक ऐतिहासिक समझौता है, जिसका उद्देश्य स्थायी भूमि प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना और सूखे के प्रभावों को कम करना है।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने और आतंकी संगठनों से सम्बन्ध रखने के आरोप में चार सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में दो पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और जल शक्ति विभाग का एक कर्मचारी है। यह निर्णय भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के प्रावधान के उप-खंड (सी) के तहत लिया गया, जो सरकार को बिना किसी जांच के राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में ऐसी कार्रवाई करने का अधिकार देता है।

बिहार में गिरफ्तार चीन के नागरिक ने सेंट्रल जेल में आत्महत्या की कोशिश की

पटना (हिंस)। बिहार में मुजफ्फरपुर शहर के लक्ष्मी चौक से बिना वैध वीजा के गिरफ्तार चीन के नागरिक ली जियाकी ने बीती रात खुदीराम बोस केंद्रीय कारावास में आत्महत्या का प्रयास किया। उसने कारावास के अस्पताल के शौचालय में अपने चश्मे के शीशे से प्राइवेट पार्ट को काटने की कोशिश की। अत्यधिक खून बहने से बेहोश हो गया। यह जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल प्रशासन ने उसे श्रीकृष्ण जुबली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) में भर्ती कराया है। यह जानकारी सेंट्रल जेल प्रशासन ने दी। ब्रह्मपुरा पुलिस चौकी के जवानों ने ली जियाकी को बस स्टैंड के पास दबोचा था। जेल प्रशासन ने जेल के हॉस्पिटल वार्ड में सजायाफ्ता बंदियों से पूछताछ की है। पुलिस के सामने समस्या भाषा को लेकर है। चीन के नागरिक कीभाषा को स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी या जेल के दूसरे बंदी नहीं समझ पा रहे हैं। बीते दिन उसने दही-चूड़ा खाया था और सुबह नाश्ता करने के बाद दिनभर वार्ड में सोया।

उप्र में 20 साल बाद फिर उसी जगह खड़ी दिख रही समाजवादी पार्टी

लखनऊ (हिंस)। वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश में 35 सीटें जीती थीं। लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद सपा को 2007 के विधानसभा चुनाव में बड़ी उम्मीदें थी लेकिन जनता ने सपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया और बसपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। बीस साल बाद 2024 के चुनाव में सपा ने उत्तर प्रदेश की 37 लोकसभा सीटें जीती हैं। वर्ष 2004 के लोकसभा में सपा ने उत्तर प्रदेश में 68 सीटों पर प्रत्याशी उतारे, जिसमें से 35 सीटों पर कामयाबी मिली। भाजपा ने 10, बसपा 19, कांग्रेस 09 और राष्ट्रीय लोकदल ने 3 सीटें जीती थीं। इस चुनाव में सपा को 1,42,43,280 (26.74 प्रतिशत) वोट मिले। बसपा को 1,31,39,200 (24.67 प्रतिशत), भाजपा को 1,18,10,187 (22.17 प्रतिशत) और कांग्रेस को 64,12,293 (12.04 प्रतिशत) वोट हासिल हुए। प्रदेश में सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बाद सपा को 2007 के विधानसभा चुनाव में इस बात का यकीन था कि वो दोबारा सत्ता हासिल करेगी लेकिन बसपा की सरकार बनी। उप्र में 2007 के विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ सपा ने कुल 403 सीटों में से 393 पर अपने प्रत्याशी उतारे। 97 सीटों पर सपा को कामयाबी हासिल हुई। सपा के खाते में 1,32,67,674 (26.07 प्रतिशत) वोट आए। 70 सीटों पर उसके प्रत्याशी अपनी जमानत गंवा बैठे। 2004 के आम चुनाव की तुलना में उसके वोट शेयर में मामूली अंतर आया, लेकिन विधानसभा सीटों में उसको बड़ा खामियाजा उठाना पड़ा। इस चुनाव में बसपा को 206 सीटों पर सफलता हासिल हुई। बसपा को 1,58,72,561 (30.43 प्रतिशत) वोट मिले। वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव की तुलना में उसके वोट शेयर में लगभग छह फीसदी का इजाफा हुआ। अभी हाल में हुए 18वीं लोकसभा के चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 में से 37 सीटें सपा ने जीतीं। भाजपा के खाते में 33 सीटें आई हैं। सपा को 2,94,51,786 (33.59 प्रतिशत) और भाजपा को 3,22,67,072 (41.37 प्रतिशत) मत मिले हैं। बसपा को 82,33,453 (9.39 प्रतिशत) वोट तो मिले, लेकिन उसका खाता नहीं खुला। कांग्रेस ने 82,94,318 (9.46 प्रतिशत) पाकर छह सीटें अपने नाम कीं। इस चुनाव में सपा-कांग्रेस का गठबंधन है। ऐसे में सपा और कांग्रेस को 43.05 फीसदी वोट हासिल हुए। जो भाजपा को मिले 1.68 फीसदी से ज्यादा हैं। राजनीतिक विश्लेषक सुशील शुक्ल के अनुसार विधानसभा चुनाव में मुद्दे, जातीय समीकरण और राजनीतिक गुणा-भाग लोकसभा चुनाव की तुलना में काफी कुछ बदल जाता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के आंकड़ों के लिहाज से यह कहना कि सपा को 2027 में बढ़त हासिल होगी, अभी बहुत जल्दबाजी होगी।

नगर निगम सफाई कर्मियों ने लंबित वेतन भुगतान को लेकर धरना-प्रदर्शन किया

सहरसा (हिंस)। नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को अपने मांगों के समर्थन मे एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल कर नारेबाजी की। सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को अविलंब पूर्ण करने पर डटे रहे। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक अध्यक्ष जिला सत्यनारायण चौपाल ने बताया कि मजदूरों से दिन-रात काम लिया जाता है। शहर में सफाई की व्यवस्था इन्हीं मजदूर के भरोसे है और इन मजदूरों को विगत तीन महीने से वेतन नहीं मिल रहा है। मजदूरों को आईडेंटिटी कार्ड, वर्दी, जूता, इपीएफ और ना ही साप्ताहिक छुट्टी मिलती है। जो श्रम कानून का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन है। वेतन मांगने पर कार्य एजेंसी कहती है नगर निगम आयुक्त के पास जाओ। निगम आयुक्त के पास जाने पर निगम आयुक्त कहता है कि कार्य एजेंसी के पास जाओ। जबकि पुराना कार्य एजेंसी कांटेक्ट छोड़ चुका है और नए कार्य एजेंसी काम शुरू किया है। ऐसे में मजदूर जाए तो कहां जाए। नगर निगम प्रशासन उदासीन बना पड़ा है। ऐसी स्थिति में मजदूरों के सामने एक ही विकल्प है कि वह काम रोक कर शहर में मार्च करेगा। अपने मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन करेगा। ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था अगर बिगड़ती है तो उससे होने वाली क्षति एवं परेशानी की सारी जिम्मेवारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

नीट पेपर लीक के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

जोधपुर (हिंस)। राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी-2024 की परीक्षा में धांधली के आरोपों को लेकर शनिवार को एनएसयूआई ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने परीक्षा का पेपर लीक होने और रिजल्ट में धांधली का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने परीक्षा रद्द करने की मांग की है। शनिवार को कलेक्ट्रेट के बाहर एनएसयूआई के पदाधिकारी और कार्यकर्ता इकट्ठा हुए और नीट की परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने यहां नारेबाजी करते हुए कहा कि नीट की परीक्षा में धांधली सामने आई है। इसका विरोध एनएसयूआई की ओर से प्रदेशभर में किया जा रहा है। हमारी मांग है कि छात्रों के भविष्य को देखते हुए नीट की परीक्षा को वापस करवाया जाए। उन्होंने कहा कि नीट का रिजल्ट आने के बाद छात्रों के सुसाइड के मामले सामने आ रहे हैं। नीट की इस परीक्षा में छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। परीक्षा का पेपर लीक किया और रिजल्ट में भी धांधली की गई है, जो परिणाम देर से आने वाला था उसे जल्द जारी कर दिया गया। इसे लेकर एनएसयूआई ने प्रदर्शन किया है। इस परीक्षा को दोबारा करवाने की मांग की गई है।

किसान सम्मान निधि में अब आठ हजार मिलेंगे, राज्य सरकार ने बढ़ाए दो हजार रुपए

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पीएम किसान सम्मान निधि के तहत दो हजार रुपए की वृद्धि करने की घोषणा की है। इसी योजना में केंद्र सरकार पहले से ही किसानों को छह हजार रुपए दे रही है। अब कुल आठ हजार रुपए किसानों को हर साल मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने शनिवार को इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दी। इस बढ़ोतरी से राजस्थान सरकार पर हर साल 1300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने एक्स कर लिखा कि *अन्नदाता-उत्थान* के संकल्प पर सतत गतिशील... प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के समग्र उत्थान की दिशा में पीएम किसान सम्मान निधि में दो हजार रुपए की वृद्धि की गई। जिससे किसानों के लिए केंद्र सरकार की छह हजार रुपए की सालाना राशि बढ़कर अब हुई आठ हजार रुपए। अन्नदाताओं के सर्वांगीण उन्नयन हेतु प्रदेश सरकार संकल्पबद्ध है। भारतीय जनता पार्टी ने किसानों को दी जाने वाली सम्मान निधि को बढ़ाने का वादा चुनावी घोषणा पत्र में किया था। वादा किया गया था कि किसान सम्मान निधि को हर साल बढ़ाकर 12 हजार

रुपए की जाएगी। आने वाले समय में सरकार 4000 रुपए की राशि बढ़ाने की भी तैयारी कर रही है। एक फरवरी 2019 को भारत सरकार ने अंतरिम केंद्रीय बजट में इस योजना को लागू करने की घोषणा की थी। देशभर के किसान परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए यह योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत सभी पात्र किसान परिवारों को तीन समान किस्तों में हर साल 6000 रुपए दिए जाते हैं। राजस्थान के किसानों को अब आठ हजार रुपए मिलेंगे।

राष्ट्र विरोधी ताकतों के विरुद्ध निरंतन संघर्ष करता है बजरंग दल : नीरज दौनेरिया

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के रानी सरस्वती विद्या मंदिर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के चल रहे प्रांतीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के तीसरे दिन शनिवार को मुख्य वक्ता के रूप में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर दौनेरिया ने कहा कि राष्ट्र विरोधी ताकतों के विरुद्ध निरंतन संघर्ष करता आ रहा है बजरंग दल। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में देह में बजरंग दल को बनाए जाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूर्व में रही सरकार ने हिंदू समाज की राम जानकी यात्रा को सुरक्षा प्रदान करने से मना कर दिया था। तब विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर संतों ने मिलकर 1984 में बजरंग दल का गठन किया और तब से लेकर अब तक बजरंग दल हिंदू विरोधी एवं राष्ट्र विरोधी ताकतों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष करता हुआ आ रहा है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल अमरनाथ यात्रा हो या राम मंदिर आंदोलन हो या लव जिहाद का मामला, नेपाल बॉर्डर पर मां पूर्णागिरी दर्शन यात्रा, गौ हत्या के विरुद्ध निरंतर जिहादियों के खिलाफ आंदोलन एवं संघर्ष के लिए हमेशा तैयार रहता है। देश में कोई आपदा का समय रहा हो तो बजरंग दल हमेशा बढ़ चढ़कर के भाग लिया है। बजरंग दल युवाओं को शौर्य युक्त बनाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण वर्ग लगाता रहता है। इस दौरान प्रांत संयोजक प्रकाश पांडेय,प्रांत सहसंयोजक पंकज सिंह, बजरंग दल जिला संयोजक संजीव साह, जिला मंत्री शुभम चौधरी, जिला अध्यक्ष विजय देव उपस्थित रहे।

महिला को घसीट कर ईंट पत्थर से पीटने का विडियो वायरल

जौनपुर (हिंस)। चंदवक थाना क्षेत्र अंतर्गत लेवरुवा गांव में एक महिला को घसीटकर ईंट पत्थर से मारने का विडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विडियो में किस तरह से दो युवक एक महिला को जमीन पर घसीट कर ईंट पत्थर से ताबड़तोड़ पीट रहे हैं। महिला चीख चिल्ला कर अपनी जान की दुवाई मांग रही है,इसके बाबजूद दोनों युवक बेरहमी से महिला की पिटाई कर रहे हैं। महिला के पिटाई का विडियो देख हर कोई दंग है। हालांकि वायरल वीडियो 24 मई का बताया जा रहा है। पीट रही महिला का नाम किरण देवी पत्नी गुड्डू जैसवार है। महिला को पीट रहे युवक का नाम पवन कुमार व संतोष कुमार पुत्र हरिलाल बताया जा रहा है। जिसके संबंध में चंदवक थाने में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है। लेवरूवा निवासी पीड़ित महिला किरण देवी ने शुक्रवार को जनपद मुख्यालय पहुंच पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा को शिकायती पत्र सौंप विपक्षी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। महिला ने शिकायती पत्र में लिखा कि गांव के ही मनबढ़ लोग आए दिन अनायास ही विवाद करते रहते हैं।

युवक का अपहरण कर पांच लाख रुपए की फिरोती मांगने वाले गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। हरमाड़ा थाना पुलिस ने एक युवक का अपहरण कर उसके परिवार से पांच लाख रुपए की फिरोती मांगने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि आरोपियों को 450 किलोमीटर पीछाकर अपहरण हुए युवक को बदमाशों के चंगुल से छुड़ावर उसके परिवार को सौंप दिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से मोबाइल और एक कार भी बरामद की हैं। पुलिस इस वारदात में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी कर उनकी गिरफ्तारी करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि गुरुवार देर रात हरमाड़ा थाने को सूचना मिली की एक व्यक्ति कृष्ण चौधरी को कुछ अज्ञात युवकों ने राजावास सीकर रोड पर स्थित मधुबन होटल से अपहरण कर ले गए है। जानकारी मिलने पर पुलिस ने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी। इस पर पुलिस ने अपहरण युवक को बदमाशों के चंगुल से छुड़वाकर आरोपियों को गाड़ी के नंबर के आधार पर लोकेशन ट्रेस कर मनोहरपुर, शाहपुरा, श्रीमाधोपुर, अजीतगढ़, नीमकाथाना तक 450 किलोमीटर लगातार पीछा करते हुए सत्यवीर सिंह गठाला (23) पुत्र सुरेश गठाला निवासी गांव टोडी मनोहरपुर थाना, अंकित कलाणिया (24) पुत्र बनवारी लाल निवासी गांव गढकनेत थाना अजीतगढ़

जिला नीमकाथाना और सुधीर सोलेट (19) पुत्र रोहिताश निवासी आसपुरा बंधा वाली ढाणी थाना अजीतगढ़ जिला नीमकाथाना को गिरफ्तार किया गया। बदमाशों से पूछताछ में सामने आया कि पीड़ित कृष्ण और उनके बीच गैरकानूनी काम चलते हैं। सट्टे की रकम डालने के लिए उधार खाते का उपयोग करते हैं। पीड़ित कृष्ण चौधरी ने यह खाते किसी लड़के से उपलब्ध करवाया था। खाता लेने के बदले में उस लड़के को कुछ रुपए देते थे। उस लड़के ने खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए थे। इस बात से नाराज होकर आरोपियों ने कृष्ण चौधरी का अपहरण किया। आरोपियों ने पीड़ित कृष्ण चौधरी का अपहरण करने के बाद उसके घरवालों से पांच लाख रुपए की फिरोती मांगी। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

नीट-यूजी के आयोजन व परिणाम से एनटीए की अक्षमता व भ्रष्टाचार सामने आया : अभाविप

प्रयागराज (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी 2024) के आयोजन में गड़बड़ियों तथा परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरांत प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया व परीक्षा परिणाम पर उठ रहे प्रश्नों के समाधान के लिए सीबीआई जांच की मांग की है। अभाविप के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशुतोष सिंह ने कहा है कि मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा की पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संदेह है। नीट-यूजी की परीक्षा के दिन भी देश के अलग-अलग स्थानों पर व्यवस्था की गड़बड़ियां सामने आईं थीं। इससे यह

भी स्पष्ट हो गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां नहीं की थीं। इस परीक्षा में देश के अलग-अलग हिस्सों में गड़बड़ियां सामने आईं थी तथा अलग-अलग स्थानों पर सॉल्वर पकड़े गए। साथ ही कुछ स्थानों पर प्रश्न पत्र बांटने आदि में भी गड़बड़ी मिली। विद्यार्थी परिषद, नीट परीक्षा के अभ्यर्थियों की उचित मांगों के साथ है। आशुतोष सिंह के मुताबिक अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने सूरत में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि नीट-यूजी की परीक्षा परिणाम के संदर्भ में अभ्यर्थियों के बीच गड़बड़ी का संदेह है। इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच होकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। नीट के परीक्षा परिणाम में एक ही सेंटर से कई टॉपर्स होने से इस वर्ष के परीक्षा परिणाम पर कई तरह से संदेह उत्पन्न हो रहे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी पर पहले भी यूजीसी-नेट आदि परीक्षाओं के आयोजन के संदर्भ में सवाल खड़े हुए थे। अभाविप के आयाम मेडिविजन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अभिनंदन बोकरिया ने कहा कि नीट परीक्षा परिणाम आने के बाद विद्यार्थियों की आत्महत्या करने की मामले हुए हैं, यह अत्यंत दुखद है। इस मामले में उचित कार्रवाई होनी चाहिए जिससे छात्रों में परीक्षा के आयोजन को लेकर भरोसे की स्थिति बने।

लोकसभा में भाजपा का स्पीकर नहीं होना चाहिए : संजय सिंह

लखनऊ (हिंस)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश के प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में स्पीकर का पद बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा का स्पीकर नहीं होना चाहिए, नहीं तो वह आसानी से दूसरी पार्टियों को तोड़ने का प्रयास करेगी। संजय सिंह ने प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा अपना स्पीकर चाहती है तो उसकी सहयोगी पार्टी टीडीपी भी इस पद की मांग कर रही है। हमारा मानना है कि स्पीकर यदि भाजपा का होगा तो वह दूसरे दलों के सदस्यों को तोड़ने का प्रयास करेगी। उन्होंने लोकसभा चुनाव के

जनादेश को भाजपा के खिलाफ बताया और कहा कि प्रदेश के नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है। यह जनादेश महंगाई, बेरोजगारी और अग्निवीर योजना के खिलाफ है। संजय सिंह ने बताया कि 20 जून को लखनऊ में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बड़ी बैठक बुलाई गई है। इसमें नई सदस्यता, विधानसभा चुनाव जैसे कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

गंगा दशहरा : शुभ मुहूर्त में करे गंगा स्नान इस दिन दान पुण्य का विशेष महत्व

जयपुर (हिंस)। हिंदू धर्म के अनुसार गंगा दशमी पर्व का विशेष महत्व है। इस दिन गंगा नदी की पूजा करने का विधान है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ज्येष्ठ महीने की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर ये त्योहार मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार राजा भागीरथ इसी तिथि पर कई वर्षों पहले कठोर तपस्या के बाद गंगा माता को पृथ्वी पर लाने में सफल हुए थे। इस तिथि पर गंगा नदी में स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि गंगा दशमी पर गंगा नदी में स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और पापों से मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्य पंडित बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 16 जून देर रात 2 बजकर 32 मिनट पर होगी और इस तिथि का समापन 17 जून सुबह 4 बजकर 43 मिनट पर होगा। जिसके चलते गंगा दशहरा पर्व 16 जून को मनाया जाएगा। गंगा दशहरे पर गंगा स्नान का शुभ ब्रह्म मुहूर्त श्रेष्ठ माना जाता है। 16 जून को सुबह 7 बजकर 8 मिनट से 10 बजकर 37 मिनट तक गंगा स्नान का शुभ मुहूर्त रहेगा। वही इसी दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 3 मिनट से लेकर 4 बजकर 45 मिनट तक श्रेष्ठ माना जा रहा है। शास्त्रों के अनुसार राजा भागीरथ ने कठोर तपस्या से माता गंगा को धरती पर आने के लिए मनाया था। जिसके बाद भगवान भोलेनाथ ने अपनी जटाओं ने इसे धारण करके धीरे-धीरे पृथ्वी पर गंगा को उतारा था। गंगा दशमी पर मां गंगा धरती पर अवतरित हुई थी। माना जाता है कि गंगा दशहरे पर गंगा नदी में डुबकी लगाना बहुत लाभदायक माना जाता है। इस तिथि पर गंगा स्नान करने से कई मुश्किलें तो दूर होती ही है साथ ही अश्वमेघ यज्ञ करने जितना पुण्य प्राप्त होता है। जो भी जातक गंगा में स्नान करने के लिए असमर्थ है वो अपने घर पर ही स्नान करने वाले जल में गंगाजल का प्रयोग कर सकता है। गंगा दशहरे पर गंगा नदी में स्नान करने के साथ ही दान-पुण्य करने का भी काफी महत्व माना जाता है। इस तिथि पर ब्राह्मणों को गेहूं ,तिल का दान करने के साथ ही क्षमता अनुसार दक्षिणा भी देनी चाहिए। इसके अलावा जल का दान भी सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

प्रश्नपत्रों की शुचिता बनाए रखना केंद्र व्यवस्थापक की जिम्मेदारी, गड़बड़ी पर एफआईआर

मीरजापुर (हिंस)। संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा नौ जून को होना प्रस्तावित है। जनपद में नकलविहीन शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने संबंधित मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापकों व प्रधानाचार्यो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र के अंदर केंद्र व्यवस्थापक के अतिरिक्त किसी भी परीक्षार्थी को मोबाइल ले जाना पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। परीक्षा केंद्र के 500 मीटर की परिधि में फोटोस्टेट, कंप्यूटर व साइबर कैफे की दुकानें बन्द रहेंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा को सकुशल संपन्न कराना व प्रश्नपत्रों की शुचिता को बनाए रखना प्रत्येक केंद्र व्यवस्थापक की जिम्मेदारी है। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी होन पर संबंधित के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) शिव प्रताप शुक्ल ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने

के लिए बोर्ड की ओर से उपलब्ध कराई गई हस्तपुस्तिका का भली-भांति अध्ययन कर लें। उन्होनें बताया कि नौ जून को दो पालियों में जनपद के चार परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। प्रथम पाली सुबह नौ बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह दो बजे से पांच बजे तक संपन्न होगी। अपर जिलाधिकारी ने परीक्षार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचे। परीक्षा केंद्र के अंदर परीक्षा प्रारंभ होने के एक घण्टा पूर्व से प्रवेश दिलाया जाएगा परंतु सुबह नौ बजे से प्रारंभ होने वाली परीक्षा में साढ़े नौ के बाद एवं दो बजे प्रारंभ होने वाली परीक्षा में ढाई बजे के बाद किसी को भी परीक्षा केंद्र अंदर प्रवेश नहीं कराया जाएगा। परीक्षा केंद्र के अंदर कोई भी परीक्षार्थी किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रानिक सामान नहीं ले जा सकेगा। प्रत्येक परीक्षार्थी को अपने प्रवेश पत्र के साथ एक फोटोयुक्त अन्य पहचान पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त शुद्ध पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था कराई जाए तथा परीक्षार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों के लिए भी परीक्षा केंद्र के बाहर शुद्ध पेयजल, टैकर अथवा जार रखकर पानी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस की व्यवस्था रहेगी। महिला परीक्षार्थियों की चेकिंग के लिए गेट पर महिला पुलिस तथा पुरूष परीक्षार्थियों के लिए पुरूष पुलिस चेकिंग के लिए तैनात की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने वाले परीक्षार्थियों को डीएफएमबी से होकर गुजरना होगा।

दिल्ली हवाई अड्डे की रनवे क्षमता 30 फीसदी बढ़ेगी, तीन : साल में 110 उड़ानें प्रति घंटा संभव

नई दिल्ली । दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परिचालन को अनुकूल एवं सुगम बनाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डा सरकार-के भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) और एक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। इससे रनवे क्षमता तीन साल में करीब 30 प्रतिशत तक बढ़ाकर प्रति घंटे 110 आवाजाही की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डा अगले 6 से 12 महीनों में अपनी अंतर्राष्ट्रीय यात्री प्रबंधन क्षमता को 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहता है क्योंकि घरेलू-से-अंतर्राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय-से-अंतर्राष्ट्रीय पारगमन यातायात तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली हवाई अड्डे से इस समय सालाना 10 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही होती है। इस क्षमता का करीब 82-83 प्रतिशत घरेलू उड़ानों के लिए है जबकि शेष अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के लिए। जीएमआर समूह के नेतृत्व वाला डायल भारत के सबसे बड़े दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का परिचालन करता है। इस हवाईड्डे पर व्यस्त समय के दौरान हर घंटे 84 विमानों की आवाजाही होती है। उन्होंने कहा कि हमारे पास चार रनवे हैं। हम अपना परिचालन सुगम बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार और एएआई के साथ काम कर रहे हैं।

2-3 वर्षों में हमारी अधिकतम रनवे क्षमता प्रति घंटे लगभग 110 विमानों की आवाजाही तक पहुंच जाएगी। यह हवाई अड्डा हर दिन एयरलाइनों के लिए 1,500 स्लॉट की पेशकश करता है और संचालन सुगम बनाए जाने के बाद यह संख्या बढ़कर 2,000 से ज्यादा हो जाएगी। एयरपोर्ट स्लॉट किसी विमान के हवाई अड्डे पर उतरने या रवाना होने के लिए निर्धारित विशेष समय होता है। उन्होंने कहा कि डायल गुरुग्राम और दिल्ली हवाई अड्डे के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए दिल्ली और हरियाणा की सरकारों के साथ भी काम कर रहा है। दिल्ली हवाई अड्डा, एयरपोर्ट ऑपरेशंस सेंटर (एपीओसी) में एक एआई इंजन स्थापित कर रहा है, जो यात्रियों की आवाजाही का अध्ययन करेगा और एयरलाइन, आव्रजन कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य को सूचित करेगा ताकि वे तुरंत अपने कर्मचारियों की संख्या में बदलाव कर सकें। चूंकि दिल्ली हवाई अड्डा विमानन केंद्र बनना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

अदाणी पोर्ट्स को मिला कोलकाता बंदरगाह के संचालन का कॉन्ट्रैक्ट कंपनी का दावा- कनेक्टिविटी बेहतर होगी

कोलकाता । अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन लिमिटेड ने बताया कि कंपनी को अगले पांच वर्षों के लिए कोलकाता बंदरगाह के रखरखाव और संचालन का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है। कंपनी ने बयान में बताया कि स्वीकृति पत्र मिलने के सात महीने के भीतर बंदरगाह पर कार्गो हैंडलिंग उपकरण तैनात कर दिए जाएंगे। पांच साल के लिए मिला है कॉन्ट्रैक्ट कंपनी ने बयान में कहा कि एपीएसईजेड ने कोलकाता को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह के पांच साल के संचालन और रखरखाव के लिए कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया है। कंपनी ने नीलामी प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा करके यह कॉन्ट्रैक्ट जीता। एपीएसईजेड की बंदरगाह पर उपस्थिति से टर्मिनल और इसके कंटेनर बंदरगाह पर कनेक्टिविटी बेहतर होगी। खासकर विझिनजाम और कोलंबो से आने जाने वाले शिपमेंट की कनेक्टिविटी अच्छी होगी। इस साल से ही संचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत के पूर्वी तट का सबसे बड़ा डॉक एपीएसईजेड के निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने बताया कि नेताजी सुभाष डॉक के संचालन और रखरखाव का कॉन्ट्रैक्ट मिलना एपीएसईजेड के देश के बंदरगाहों और लॉजिस्टिक ढांचे को विकसित करने के समर्पण को दर्शाता है। हम अपने दो दशकों लंबे अनुभव का इस्तेमाल करते हुए कंटेनर टर्मिनल को विकसित करेंगे, जिससे राज्य के लोगों समेत ग्राहकों को फायदा होगा। भारत के पूर्वी तट पर स्थित नेताजी सुभाष डॉक सबसे बड़ा कंटेनर टर्मिनल है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस डॉक पर 0.63 मिलियन टीईयू का रखरखाव और संचालन हुआ।

कई शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता, कहीं महंगा

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें 75.38 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई है।

हालांकि, क्रूड में गिरावट का पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि कुछ शहरों में ईंधन की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया है। आंध्रा प्रदेश में पेट्रोल 0.26 पैसे तो डीजल 0.22 पैसे महंगा हुआ है। बिहार में 0.5 पैसे, हरियाणा में 0.13 पैसे, जम्म-कश्मीर में 0.56 पैसे, कर्नाटक 0.15 पैसे और उत्तर प्रदेश में 0.21 पैसे महंगा हुआ। वहीं उत्तराखंड, केरल और हिमाचल प्रदेश ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.42 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.27 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर, आगरा में पेट्रोल 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर है।

वीवो ने अपना नया इन्नोवेशन वीवो एक्स फोल्ड पेश किया

नई दिल्ली । स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वीवो ने भारत में अपना नया इन्नोवेशन मेक इन इंडिया वीवो एक्स फोल्ड 3 प्रो को लांच करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 159999 रुपए है। इस नए स्मार्टफोन से वनप्लस ओपन और सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 5 को टक्कर मिल सकती है। वीवो एक्स फोल्ड 3 प्रो में 8.03 इंच का 2के ई7 एमोलेड डिस्प्ले है। एक्स फोल्ड3 प्रो में उद्योग-प्रथम कार्बन-फाइबर अल्ट्रा-टिकाऊ लाइटवेट हज है। स्क्रीन में पीक ब्राइटनेस, डॉल्बी विजन और एचडीआर 10 का सपोर्ट है। इसमें 6.53 इंच का एमोलेड कवर डिस्प्ले भी है, दोनों ही 120 हट्र्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करते हैं। इसमें एलटीवीओ पैनल है, इसलिए कंटेंट के आधार पर रिफ्रेश रेट को 1हट्र्ज से 120 हट्र्ज के बीच एडजस्ट किया जाता है। अल्ट्रा-थिन ग्लास प्रोटेक्शन और आर्मर ग्लास कोटिंग के साथ, डिवाइस टिकाऊपन सुनिश्चित करता है। यह ऑक्टा-कोर स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 एसओसी द्वारा संचालित है, जो 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और एक टीबी तक यूएफएस 4.0 स्टोरेज द्वारा समर्थित है। इसके अतिरिक्त, इसमें वीवो की कस्टम वी3 इमेजिंग चिप भी शामिल है।

शक्तिकांत दास बोले-

आरबीआई पर बढ़ने लगा रेपो दर घटाने का दबाव ; एमपीसी के फैसलों की दी जानकारी

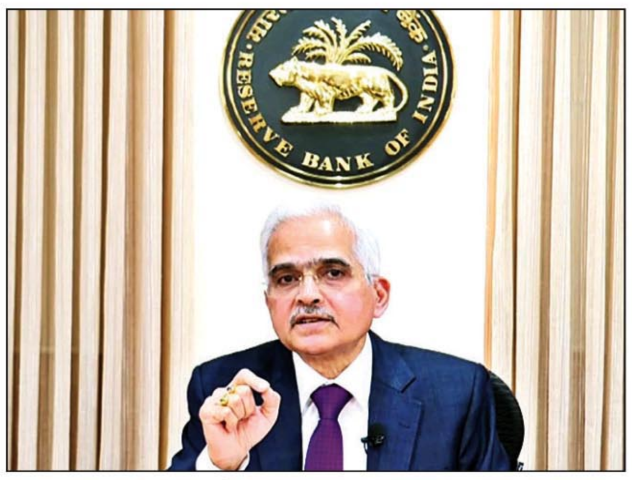

नई दिल्ली । आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। खुदरा महंगाई एक बार जब चार फीसदी पर आ जाए तो इसे वहीं रहना चाहिए।

मजबूत आर्थिक वृद्धि और महंगाई घटने के साथ आरबीआई पर रेपो दर में कटौती का दबाव बढ़ने लगा है। केंद्रीय बैंक की ब्याज दर निर्धारण समिति के बाहरी सदस्य जयंत आर वर्मा लंबे समय से रेपो दर में कम-से-कम 0.25 फीसदी की कटौती की वकालत कर रहे हैं। अब समिति की दूसरी बाहरी सदस्य आशिमा गोयल भी इस मांग में शामिल हो गई हैं। हालांकि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास समेत चार सदस्यों ने प्रमुख नीतिगत दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। खुदरा महंगाई एक बार जब चार फीसदी पर आ जाए तो इसे वहीं रहना चाहिए। हमें जब भरोसा हो जाएगा कि यह चार फीसदी पर स्थिर रहेगी और आगे नहीं बढ़ेगी, तभी हम रेपो दर में कटौती के बारे में सोचेंगे। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक दरों के मोर्चे पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।

दास ने कहा, वृद्धि और महंगाई का सफर उम्मीदों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है। लेकिन, यह चार फीसदी की तरफ यात्रा का अंतिम पड़ाव है, जो सबसे मुश्किल और पेचीदा होगा। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसलों से आरबीआई के नीतिगत कदम को अलग रखे जाने पर कहा, फेड रिजर्व के ब्याज घटाने पर भी आरबीआई रेपो दर में कटौती नहीं कर सकता है। आरबीआई के अनुमानों के मुताबिक, खुदरा महंगाई दिसंबर तिमाही में 3.8 फीसदी पर आई है, लेकिन बाद में फिर से बढ़कर पांच फीसदी पर पहुंच रही है। उधर, दरों में कटौती की वकालत करने वाले दोनों सदस्यों वर्मा और गोयल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब स्विट्जरलैंड, स्वीडन, कनाडा और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं के कुछ केंद्रीय बैंक 2024 में दरों में ढील देने की शुरुआत कर चुके हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार : 651.5 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 651.51 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। 31 मई को समाप्त सप्ताह में इसमें 4.837 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.027 अरब डॉलर घटकर 646.673 अरब डॉलर रहा था। 31 मई वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 5.065 अरब डॉलर बढ़कतर 572.564 अरब डॉलर पहुंच गई। हालांकि, सोने का भंडार 21.2 करोड़ डॉलर घटकर 56.501 अरब डॉलर रह गया।

कर्ज और जमा के बीच बने अंतर को खत्म करें बैंक

आरबीआई ने कहा, बैंकों को कर्ज और जमा वृद्धि के बीच लगातार बने अंतर का खत्म करने के लिए अपनी कारोबारी रणनीति में नए सिरे से बदलाव करने की जरूरत है। जरूरत पड़ी तो बिना गारंटी वाले यानी असुरक्षित कर्ज में वृद्धि को कम करने के लिए आगे भी कदम उठाए जा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने नवंबर, 2023 में असुरक्षित खुदरा कर्ज अत्यधिक वृद्धि और बैंक वित्तपोषण पर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की अत्यधिक निर्भरता को लेकर चिंता जताई थी। दास ने कहा, आरबीआई वित्तीय क्षेत्र, विशेषकर बैंकों के हर पहलू पर नजर रख रहा है। जब भी कुछ और उपायों की जरूरत होगी, हम कदम उठाएंगे।

ब्रिटेन से वापस लाए सोने का और मतलब न निकालें

दास ने कहा, आरबीआई ब्रिटेन से 100 टन सोना भारत लाया है, क्योंकि देश में पर्याप्त भंडारण क्षमता है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। 1991 में विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए सोने के बड़े हिस्से को गिरवी रखने के लिए तिजोरियों से बाहर निकाला गया था। हाल के वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि आरबीआई अपने भंडार के हिस्से के रूप में सोना खरीद रहा है और इसकी मात्रा बढ़ रही है। इसलिए, ब्रिटेन से सोना लाकर भारत में रखने का फैसला लिया गया। भारत में 100 टन सोना वापस आने से स्थानीय भंडार में पड़े स्वर्ण की मात्रा बढ़कर 408 टन से अधिक हो गई है। यानी स्थानीय और विदेशी होल्डिंग अब लगभग बराबर है।

फेमा को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव

कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा)-1999 के तहत वस्तुओं-सेवाओं के निर्यात और आयात के लिए दिशानिर्देशों को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव किया है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बदलाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इससे न सिर्फ कारोबार करना आसान होगा बल्कि अधिकृत डीलर बैंक अधिक जुझारू क्षमता से परिचालन कर सकेंगे। मसौदा जल्द जारी किया जाएगा।

चंद्रबाबू परिवार की संपत्ति 5 दिन में 858 करोड़ बढ़ी

35.71 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले हेरिटेज फूड्स के शेयर 55 प्रतिशत चढ़े आंध्र-केंद्र में जीत से बढ़ा भरोसा

नई दिल्ली । चंद्रबाबू नायडू परिवार की संपत्ति पिछले 5 दिनों में ही 858 करोड़ रुपए बढ़ी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हेरिटेज फूड्स के शेयरों में इस दौरान 55 प्रतिशत का उछाल आने से ऐसा हुआ है। हेरिटेज फूड्स के प्रमोटर पार्टी प्रमुख चंद्र बाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश हैं। चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी। यह कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है। हाल ही में हुए आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू का शानदार प्रदर्शन रहा है। इससे उनकी कंपनी पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

कंपनी में चंद्र बाबू नायडू पत्नी की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी

चंद्रबाबू नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी के पास कंपनी में 24.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जबकि बेटे लोकेश और बहू ब्राह्मणी के पास 10.82 प्रतिशत और 0.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नायडू के पोते देवांश के पास इसमें 0.06 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यानी चंद्रबाबू नायडू के परिवार की कंपनी में कुल हिस्सेदारी 35.71 प्रतिशत है हेरिटेज फूड्स का शेयर 10 प्रतिशत चढ़ा शुक्रवार 7 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 10 प्रतिशत की तेजी के साथ 661.25 रुपए पर बंद हुआ। वहीं बीते 5 दिनों में इसमें 55 प्रतिशत की तेजी रही है। 4 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 455.45 रुपए पर था जो 7 जून को 661.25 रुपर पर पहुंच गया। हेरिटेज फूड्स का मार्केट कैप 2,400 करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ा वहीं हेरिटेज फूड्स का मार्केट कैप इस हफ्ते 2,400 करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 7 जून को 6,136 करोड़ रुपए हो गया। यह एक सप्ताह पहले 3,700 करोड़ रुपए था। चंद्रबाबू नायडू 12 जून को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ तेलुगु देशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वे चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

भारत ने मई में 722 करोड़ का सोना खरीदा, भारत दुनिया में सोने का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार, स्विटजरलैंड नंबर वन

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोना खरीदार रहा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, बीते माह भारत ने करीब 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा। सिर्फ स्विटजरलैंड और चीन ने भारत से ज्यादा गोल्ड खरीदा। बीते 5 वित्त वर्षों में भारत ने अपने गोल्ड रिजर्व में करीब 204 टन सोने की बढ़ोतरी की। मार्च 2019 में देश का गोल्ड रिजर्व 618.2 टन था, जो 31 मार्च 2024 को 33 फीसदी बढ़कर 822.1 टन हो गया। हालांकि इस दौरान सोने की कीमतों में करीब 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से बीते माह ग्लोबल गोल्ड मार्केट में औसत दैनिक ट्रेडिंग वॉल्यूम 18 लाख करोड़ रुपए रहा। यह अप्रैल 2024 की तुलना में 13 फीसदी कम, लेकिन 2023 के औसत 13.6 लाख करोड़ रुपए रोजाना से 32.51 फीसदी ज्यादा है। मई में लगातार तीसरे महीने सोने की कीमतें बढ़ीं पर देश में जेवराती सोना (22 कैरेट) 773 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 65,872 रुपए पर आ गया। 24 कैरेट सोना का भाव भी मुकाबले 844 रुपए घटकर 71,913 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। आमद और सोने की ऊंची कीमत से प्रेरित होकर मई में कुल एयूएम मासिक आधार पर 2 फीसदी बढ़कर 234 अरब डॉलर (करीब 19.5 लाख करोड़ रुपए) के स्तर पर पहुंच गया।

श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की बेलआउट कार्यक्रम की समीक्षा से पहले आईएमएफ

कोलंबो । नकदी संकट से जूझ रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में हाल ही में पहली बार सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अब श्रीलंका की तारीफ की है। आईएमएफ का कहना है कि देश में व्यापक आर्थिक नीति में सुधार के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। साथ ही उम्मीद जताई है कि देश जल्द ही बाहरी वाणिज्यिक ऋणदाताओं के साथ समझौते पर पहुंच जाएगा।

श्रीलंका को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा

बता दें, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने श्रीलंका के लिए 2.9 अरब डॉलर के बेलआउट कार्यक्रम की दूसरी समीक्षा से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। आईएमएफ के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने कहा कि व्यापक आर्थिक नीति से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार देखा जा रहा है। पिछले कुछ सालों से श्रीलंका को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। देश में आर्थिक संकट गहराया तो भोजन, बिजली, ईंधन और मूलभूत सुविधाओं की कमी हो गई थी। अब श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर पर्याप्त रूप से मजबूत प्रगति की है। दूसरी समीक्षा के लिए देरी होने पर उन्होंने कहा कि द्वीप देश का कार्यक्रम प्रदर्शन मजबूत है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में अभी भी सुधार की जरूरत है और यह किए भी जा रहे हैं।

12 जून को होगी दूसरी समीक्षा

श्रीलंका के 2.9 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज के तहत आईएमएफ की विस्तारित कोष सुविधा की दूसरी समीक्षा 12 जून को होगी। कोजैक ने पुष्टि की कि आईएमएफ का कार्यकारी बोर्ड दूसरी समीक्षा और परामर्श पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा। बता दें, आईएमएफ के समझौते के अनुच्छेद के तहत, वैश्विक ऋणदाता सदस्यों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करता है। आमतौर पर हर साल एक कर्मचारियों की टीम देश का दौरा करती है, आर्थिक और वित्तीय जानकारी एकत्र करती है और अधिकारियों के साथ देश के आर्थिक विकास और नीतियों पर चर्चा करती है। कोजैक ने कहा, श्रीलंका में हम देखते हैं कि व्यापक आर्थिक नीति में सुधार के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं।

कब-कब मिली श्रीलंका को मदद

दिसंबर 2023 में आईएमएफ द्वारा श्रीलंका को को 33.7 करोड़ डॉलर की तीसरी किश्त जारी करने की मंजूरी दी गई थी। मार्च 2023 में भी 33 करोड़ डॉलर की किस्त जारी करने के लिए महत्वपूर्ण समझौता हुआ था।

दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी ने एपल, गूगल व मेटा को भी पीछे छोड़ा, ये है एनवीडिया की कहानी

नई दिल्ली । सितंबर 2023 में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने एक शख्स से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की चर्चा मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक पर हुई। दरअसल पीएम मोदी जिस शख्स से मिले थे उसका नाम है जेनसेन हुआंग। हो सकता है कि आपने पहले ये नाम न सुना हो। लेकिन शायद आपने एनवीडिया का नाम तो सुना होगा। समझाने के लिए आसान बात कहूं तो एनवीडिया आपके कंप्यूटर के लिए ग्राफिक कार्ड बनाने वाली कंपनी है और इसी कंपनी के सीईओ हैं जेनसेन हुआंग। आज हुआंग एक बार फिर से चर्चा में हैं... एनवीडिया एपल को छोड़कर बनी दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी वजह ये है कि एनवीडिया ने एपल को पीछे छोड़ दिया है और दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। एनवीडिया का मार्केट कैप करीब 251 लाख करोड़ हो गया है। वहीं एपल का मार्केट कैप करीब 250 लाख करोड़ पर है। यहां आपको ये भी बता दें कि दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है माइक्रोसॉफ्ट जिसका मार्केट कैप 262 लाख करोड़ है। लेकिन ऐसा क्या है जो एनवीडिया को आगे बढ़ा रहा है। ऐसा क्या है जिसकी वजह से एनवीडिया का मार्केट कैप इतना हो गया है। इसको समझने के लिए कंप्यूटर को समझना होगा। दरअसल कंप्यूटर में एक सीपीयू होता है यानी सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट। इसको कंप्यूटर का दिमाग माना जाता है। इसमें एक प्रोसेसर की जरूरत होती है। प्रोसेसर को इंटेल और एएमडी जैसी कंपनियां तैयार करती हैं... कंप्यूटर में सीपीयू की तरह ही एक और बेहद खास चीज का इस्तेमाल होता है जिसे जीपीयू कहा जाता है यानि ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट। यूं समझिए कि आपको अपनी स्क्रीन पर जो तस्वीरें, ग्राफिक्स और वीडियो आदि दिखाई देते हैं, उसमें इस जीपीयू का बड़ा हाथ होता है... लेकिन ये तो जीपीयू का केवल एक इस्तेमाल था। जीपीयू की असली ताकत पता चला आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के दौर में। जब चैट जीपीटी और गूगल जैमिनी जैसे टूल्स को बनाया जाता है, तब बहुत अधिक संख्या में जीपीयू का इस्तेमाल किया जाता है और जैसे-जैसे दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मांग बढ़ रही है, वैसे-वैसे जीपीयू की भी मांग भी बढ़ रही है। एनवीडिया इसी जीपीयू को बनाने वाली कंपनी है। शायद अब आप समझ रहे होंगे कि ये कंपनी कैसे दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। खबर पर आगे बढ़ें उससे पहले आपको ये बता दें कि पिछले छह महीने में एनवीडिया के शेयर में करीब 169 फीसदी की बढोतरी हुई है। पिछले पांच सालों में इस शेयर ने 3 हजार 265 फीसदी की तेजी हासिल की है। दुनिया के 13वें सबसे अमीर व्यक्ति बने एनवीडिया के संस्थापक एनवीडिया के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ जेन्सेन हुआंग अब 106 बिलियन अमरीकी डालर (8.84 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति के साथ दुनिया के 13वें सबसे अमीर व्यक्ति बन हैं, एनवीडिया के शेयरों में पिछले एक साल में 700 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, केवल माइकल डेल (107 बिलियन अमरीकी डालर या 8.92 लाख करोड़ रुपये), मुकेश अंबानी (109 बिलियन अमरीकी डालर या 9.09 लाख करोड़ रुपये), और वॉरेन बफेट (136 बिलियन अमरीकी डालर या 11.34 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति के साथ दुनिया के दस सबसे अमीरों की सूची में शामिल होने के मामले में उनसे आगे हैं। ये कंपनी कितनी बड़ी है इसका अंदाजा आप इस बात ये भी लगा सकते हैं कि फेसबुक, वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम के मालिकाना हक वाली मेटा कंपनी का मार्केट कैप 1.25 ट्रिलियन डॉलर है और एनवीडिया का 3.01 ट्रिलियन डॉलर। गूगल जैसी कंपनी भी इससे काफी पीछे 2.18 ट्रिलियन डॉलर पर है। खास बात ये है कि भारत में इस कंपनी यानी एनवीडिया के चार डवलपमेंट सेंटर हैं। भारत और भारत की कंपनियां अब एआई की ओर जाना चाहती हैं। पिछले साल ऐसी खबरें आई थीं कि भारत की कुछ बड़ी कंपनियों की इस कंपनी के साथ बातचीत चल रही है ताकि दोनों मिलकर लोकलाइजेशन पर काम करें। भारत के लोग अपनी लोकल भाषाओं में एआई का इस्तेमाल कर सकें, इसी के लिए ये कवायद की जा रही है। दुनियाभर में जितने जीपीयू इस्तेमाल होते हैं उनमें से करीब 88 फीसदी एनवीडिया के चलिए अब आपको जेनसेन हुआंग के बारे में बताते हैं।

क्या आज महामुकाबले में विलेन बन सकती हैं बारिश शाम 7 बजे खेला जाना हैं भारत-पाकिस्तान मैंच

न्यूयॉर्क ।
क्रिकेट का सबसे बड़ा मुकाबला फिर होने वाला है। भारत और पाकिस्तान 9 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में एक दूसरे से भिड़ने को तैयार है। दुनिया भर के फैंस धमाकेदार मैच का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बारिश की वजह से पूरा 20 ओवर का मैच ना हो सके, इसकी भी संभावना है। दरअसल न्यूयॉर्क में बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है। मैच सुबह 10:30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8 बजे) शुरू होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, टॉस के वक्त 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत बारिश की संभावना है, जो दोपहर 1 बजे कम होकर 10 प्रतिशत हो जाएगी और फिर शाम 3 बजे 40 प्रतिशत तक वापस चली जाएगी। बारिश भारत और पाकिस्तान मैच में अहम भूमिका निभा सकती है, क्योंकि दोनों टीमें अभी भी नए मैदान के हालातों को समझने की कोशिश कर रही हैं। न्यूयॉर्क में पहले हुए भारत-आयरलैंड मैच में भारत ने आयरलैंड को सिर्फ 96 रनों पर आउट कर दिया था। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच भी कम स्कोर वाला मैच हुआ था, जिससे पता चलता है कि न्यूयॉर्क की नई पिच गेंदबाजों को मदद कर रही है। वहीं मौसम की भविष्यवाणी पर भरोसा करें, तब 42 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है। तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा और ह्यूमिडिटी 58 प्रतिशत रहेगी। बारिश से टॉस में देरी हो सकती है, लेकिन मौसम विभाग के मुताबिक मैच समय पर ही खेला जा सकता है।

मैच के लिए दोनों टीमें:

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

पाकिस्तानः बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सईम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से पहले रोहित फिर हुए चोटिल, अभ्यास करते समय अंगूठे में लगी चोट, फैंस हुए चिंतित

न्यूयॉर्क। टी20 वर्ल्ड कप में इंडिया टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान के साथ होगा। इस मैच से पहले

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आयरलैंड के खिलाफ मैच में घायल हो गए। रोहित को इस मैच में जोशुआ लिटिल की गेंद दाहिने बाजू में लगी थी। चोट से परेशान रोहित मैच के दौरान रिटायर हो गए थे। फिर रोहित शर्मा को चोट लगी है। रोहित का अंगूठा चोटिल हो गया है। कप्तान रोहित को यह चोट नेट्स प्रेक्टिस करते हुए लगी। जब वह नेट पर श्रीलंकाई थ्रोडाउन विशेषज्ञ नुवान के खिलाफ अभ्यास कर रहे थे, तभी गेंद उछली और उनके हाथ में जा लगी। रोहित ने इसके बाद कुछ देर दूसरे छोर से बैटिंग की और फिर नेट्स बाहर चले गए। रोहित की चोट पर बीसीसीआई ने कोई अपडेट नहीं दिया है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का मुकाबला काफी अहम है। यह मैच न्यूयॉर्क को नासाउ काउंटी स्टेडियम पर खेला जाएगा। पिच पूरी तरह गेंदबाजों को फायदा पहुंचाने वाली है। ऐसे में टीम को रोहित जैसे अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है। पाकिस्तान की टीम भी अच्छे फॉर्म में नहीं चल रही है। उसे अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ हार मिली थी। मेजबान टीम ने सुपर ओवर में मैच जीता था। उससे पहले इंग्लैंड दौरे पर भी पाकिस्तान की टीम टी20 सीरीज हारी है । आयरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान ने सीरीज तो जीता था लेकिन उसे एक मैच में हार भी झेलनी पड़ी थी। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 9 जून यानी भारतीय समय अनुसार रात 8 बजे शुरू होगा। इस मैच को देखन के लिए भारत-पाकिस्तान के लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

पैरालिंपिक पर हैं टेटे खिलाड़ी विजया की नजरें

हैदराबाद । यूटीटी पैरा टेबल टेनिस नेशनल चैंपियनशिप में सबसे कम उम्र की पदक विजेता

विजया दीपिका गंगापट्टनम का लक्ष्य अब पैरालिंपिक में भारत के लिए पदक जीतना है। विजया ने राष्ट्रीय स्तर पर एकल में रजत और युगल में अपने जोड़ीदार के साथ कांस्य पदक जीता है। विजया का यहां तक का सफर जुझारु क्षमता की मिसाल है। वह हड्डियों की एक गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं जिसके कारण उसके शरीर में 45 फ्रैक्चर हैं। यहां तक कि झटके लगने पर भी हड्डी टूट जाती है। इसके बाद भी कठिन परिश्रम कर विजया ने टेबल टेनिस खेलकर अपनी किस्मत बदली है।विजया का भाई भी टेबल टेनिस खेलता है। उसे इस खेल में पिता का पूरा समर्थन मिला। विजया के पिता ने कहा कि उसे जन्म के दौरान भी फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा क्योंकि डॉक्टरों को उसकी पहले से स्थिति के बारे में पता नहीं था। विजया के ज्यादातर फ्रैक्चर तब हुए जब वह छोटी थी और घुटनों के बल चल रही थी। उसे अपने शरीर का भार अपने हाथों पर उठाना पड़ता था। वह अलग अलग तरह के व्हीलचेयर का उपयोग करती है। व्हीलचेयर बदलते समय वह कई बार गिर चुकी है। वह नहाने समय फिसल जाती थी, जिसके उसके पैर टूट गए। विजया को सात साल की उम्र तक चलने में दिक्कत होती थी, क्योंकि उसके कूल्हे और घुटने में फ्रैक्चर हो गया था। जिसके कारण सर्जरी करानी पड़ी। इन समस्याओं के कारण उसे अपने दिन-प्रतिदिन के कामों के लिए सहायता लेनी पड़ी।

एक दशक बाद वापसी करने वाली डब्ल्यूडब्लूई स्टार ग्लैमरस अंदाज में दिखीं

लंदन । एक दशक से अधिक समय तक कुश्ती से दूर रहने वाली डब्ल्यूडब्लूई महिला पहलवान लिंडसे के

हेवर्ड अब ग्लैमरस अंदाज में नजर आयी हैं। हेवर्ड ने जो बदलाव किये हैं उससे वह खूबसूरत नजर आने लगी हैं। जिससे प्रशंसक हैरान हैं। ये साथ ही पूछ रहे हैं कि वह कब रिंग में वापसी करेंगी हालांकि हेवर्ड का अभी ऐसा कोई इरादा नजर नहीं आता। रिंग में आइसिस द अमेज़ॅन के नाम से मशहूर, 6 फुट से अधिक लंबी इस पहलवान को डब्ल्यूडब्लूई के नेक्सट शो के तीसरे सीजन में स्टार आकर्षण के तौर पर शामिल किया गया था। इसके बाद साल 2010 में एक कंपनी ने उन्हें साइन किया पर जल्दी ही उन्हें शो से हटा दिया गया। उस समय. कंपनी ने उनकी गैल्मरस तस्वीरें ऑनलाइन पाए जाने के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया। तब हेवर्ड काफी काफी हद तक छायी रहीं पर मई 2011 में हमेशा के लिए रिंग से बाहर हो गयीं। वह जब अब वापस आ गई हैं तो उनके सोशल मीडिया में 1.57 लाख से अधिक फॉलोअर्स के साथ हैं, जहां वह गांजा पीने, वजन घटाने और मॉडलिंग के गुणों के बारे में बात करती हैं।

अफगानिस्तान ने पहली बार न्यूजीलैंड को हराया : गुरबाज के 80 रन, फारूकी ने पहली गेंद पर विकेट लिया, फिर राशिद का मैजिक

न्यूयॉर्क ।
न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी। इनिंग्स की पहली गेंद और स्टंप्स जमीन पर। अफगान पेसर फजल हक फारूकी ने न्यूजीलैंड बल्लेबाज का फिन एलन का विकेट लेकर टी- 20 वर्ल्ड कप 2024 के एक और बड़े उलटफेर की शुरुआत कर दी थी। ये मैच वेस्टइंडीज के गयाना में प्रोविडेंस स्टेडियम में शनिवार को खेला गया। फारूकी ने पहले ओवर के बाद कीवी बल्लेबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। पावरप्ले में ही 3 विकेट लेकर न्यूजीलैंड के लिए जीत मुश्किल कर दी। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। अफगानिस्तान के ओपनर्स रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने 100 रन की साझेदारी कर स्कोर 159 तक पहुंचाया। अब बारी गेंदबाजों की थी। फजल हक फारूकी ने पावर प्ले और फिर राशिद खान ने मिडिल ओवर्स में 4-4 विकेट लेकर जीत पक्की कर दी। न्यूजीलैंड 75 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान ने पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट में न्यूजीलैंड को हराया है। इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत के साथ अफगानिस्तान ग्रुप सी के टॉप पर है।

जीत के हीरो

1.रहमानुल्लाह गुरबाज - रहमानुल्लाह गुरबाज ने 56 बॉल में 80 रन की पारी खेली। टीम को शानदार शुरुआत देने के साथ ही इब्राहिम जादरान के साथ 103 रन की साझेदारी की।

2. फजल हक फारूकी-पावरप्ले - फजल हक फारूकी ने पारी की पहली ही बॉल पर फिन एलन का विकेट दिला दिया। अपने स्पेल में उन्होंने हर ओवर में एक-एक विकेट लिया। फारूकी ने 4 विकेट लिए। फिन एलन, डेवोन कॉन्वे, डेरिल मिचेल और मैट हेनरी। इनमें से 3 विकेट पावरप्ले में लिए थे।

3. राशिद खान-मिडिल ओवर मैजिक - फारूकी के बाद मिडिल ओवर्स में राशिद खान ने स्पिन का जादू दिखाया। राशिद ने पावरप्ले के तुरंत बाद विकेट न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का विकेट लिया। 9वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमेन के विकेट लेकर राशिद ने न्यूजीलैंड का मिडिल ऑर्डर ध्वस्त कर दिया। 13वें ओवर में उनका चौथा शिकार बने लॉकी फर्ग्यूसन।

टर्निंग पॉइंट

1. गुरबाज-जादरान की पार्टनरशिप- रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के बीच हुई 103 रन की पार्टनरशिप ने अफगानिस्तान को मजबूती दे दी। बाद में आने वाले खिलाड़ियों को डेथ ओवर्स में खुलकर खेलने की आजादी मिली। पार्टनरशिप मजबूत थी इसीलिए अजमतुल्लाह ओमरजई तीसरे नंबर पर आने का मौका मिला। उन्होंने 13 बॉल में 22 रन की पारी खेली। 169 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

2. केन विलियम्सन का विकेट- न्यूजीलैंड संकट में थी, लेकिन उनका मिडिल ऑर्डर 160 का टारगेट चेज करने की काबिलियत रखता था। खासतौर से कप्तान केन विलियम्सन जो स्पिन को बाकी बल्लेबाजों से बेहतर खेलते हैं। राशिद ने पावर प्ले खत्म होने के बाद पहली गेंद पर ही विलियम्सन को पवेलियन भेज दिया। विलियम्सन सिर्फ 9 रन बना पाए। इस विकेट के बाद न्यूजीलैंड की टीम मैच में वापसी नहीं कर पाई।

न्यूजीलैंड की हार की वजहें

1. खराब फील्डिंग- न्यूजीलैंड की खराब फील्डिंग टीम की हार की सबसे बड़ी वजहों में से एक रही है। टीम ने इब्राहिम जादरान को 3 जीवनदान दिए, जिसमें 2 कैच ड्रॉप और एक रनआउट का चांस शामिल रहा। टीम की खराब फील्डिंग के कारण शुरुआती ओवर्स में विकेट नहीं मिले और अफगानिस्तान ने बड़ा टोटल बनाया।

2. गुरबाज को किस्मत का साथ- अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को किस्मत का साथ मिला। चौथे ओवर में सेंटनर की बॉल पर गुरबाज चूक गए, बॉल स्टंप पर लग गई। इसके बावजूद गुरबाज आउट करार नहीं दिए गए, क्योंकि बेल्स नहीं गिरी थीं। 11वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स उनका कैच लेते हुए बाउंड्री के बाहर चले गए।

फाइटर ऑफ द मैच

मैट हेनरी फाइटर ऑफ द मैच रहे। हेनरी ने विकेट के चांस बनाए, लेकिन खराब फील्डिंग के कारण सफलता नहीं मिली। 14 ओवर बाद मैट हेनरी ने ही इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह ओमरजई दोनों को पवेलियन भेज दिया था। लेकिन तब तक ये दोनों बल्लेबाज न्यूजीलैंड को नुकसान पहुंचा चुके थे।

प्लेइंग इलेवन

न्यूजीलैंडः फिन एलन, डेवोन कॉन्वे (विकेट कीपर), केन विलियमसन (कप्तान), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमन, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर, मैट हेनरी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्यूसन।

अफगानिस्तानः रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेट कीपर), इब्राहिम जादरान, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, राशिद खान (कप्तान), करीम जनत, नूर अहमद, नवीन-उल-हक और फजलहक फारूकी।

अब पाकिस्तान को करना होगा सुपर 8 में क्वालीफाई के लिए संघर्षः अकरम

डलास।
पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने टी20 विश्व कप में मेजबान अमेरिका से सुपर ओवर में मिली हार के लिए पाकिस्तान टीम की आलोचना की है। वसीम ने कहा कि अब पाकिस्तान टीम के लिए 8वें चरण के लिए क्वालीफाई करने का रास्ता संघर्षपूर्ण रहेगा। टी20 विश्व कप में अमेरिका ने 2009 के विजेता पाकिस्तान को हराकर सुपर ओवर में जीत हासिल की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी सबसे बड़ी जीत में से एक है। पाकिस्तान-अमेरिका की टीमें अपने 50 ओवर में 159 रन बनाकर बराबरी पर थीं, इससे पहले कि अमेरिका ने सुपर ओवर में 18 रन बनाए। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कई वाइड बॉल फेंकी और घबराहट के कारण ओवरथ्रो के जरिए रन दिए जाने से भी अमेरिका को मदद मिली। जवाब में पाकिस्तान ने 13 रन बनाए और हार का मुंह देखना पड़ा। अकरम ने कहा कि खराब प्रदर्शन।

अमेरिका के खिलाफ खेलते समय मुझे यकीन था कि पाकिस्तानी समर्थक को यकीन था कि वे पहली पारी में जिस तरह से खेले, उसके बाद वे जीतेंगे। दूसरी पारी में अमेरिका लक्ष्य का पीछा करने उतरे और मेरा मतलब है कि सुपर ओवर में 19 रन बनाना सुपर ओवर में 36 रन बनाने जैसा है। इसलिए, अमेरिका टीम अच्छा खेली अब पाकिस्तान को सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी क्योंकि उन्हें भारत के साथ और दो और अच्छी टीमों आयरलैंड और कनाडा से मैच खेलना है। पाकिस्तान का न्यूयॉर्क में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से मुकाबला होना है।

अकरम को यह भी लगता है कि अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल के अर्धशतक और उनके प्रेरित नेतृत्व ने उन्हें खराब फॉर्म में चल रहे पाकिस्तान पर जीत दिलाने में बहुत बड़ा कारक बनाया जिन्हें शुरू से ही कड़ी निगरानी में रखा गया था। अकरम ने कहा कि मेरे लिए दिन का सबसे खास पल अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल की पारी थी जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और पूरी पारी के दौरान अपने बल्ले को आगे रखा। उन्होंने अपने टीम की कप्तानी की, यानी उन्होंने आगे से नेतृत्व किया।

देश में बढ़ रही महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या

नई दिल्ली ।
देश में महिला फुटबॉल की लोक्रपियता बढ़ने के साथ ही इसमें आने वाली प्रतिभाओं की तादाद भी बढ़ी है। महिला फुटबॉल लीग के शुरु होने से भी इस खेल के प्रति आकर्षण बढ़ा है। देश की कुछ खिलाड़ी अब विदेशी लीग में भी खेल रही हैं।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार पिछले दो साल में महिला फुटबॉल खिलाड़ियों की संख्या में 138 फीसदी की बढ़त आई है। अभी भारतीय महिला टीम फीफा रैंकिंग में 66वें नंबर पर है। टीम की पांच खिलाड़ी मानुषा कल्याण, ज्योति चौहान, एमके कश्मीना, किरण पिस्दा और ई पान्थोई विदेश की बड़ी लीग में खेलती हैं। वहीं जानकारों के अनुसार महिला टीम के अब विश्व कप में क्वालीफाई करने की संभावना भी बढ़ती जा रही हैं। इसलिए फुटबॉल संघ को उनकी और अधिक सहायता करनी चाहिए। महिला फुटबॉल लीग में अब अब होम और अवे मैच (घरेलू और बाहर के मैदान) का प्रारुप भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इस सत्र में दूसरी श्रेणी की लीग आईडब्ल्यूएल 2 भी शुरू हुई है, जिसमें से 15 टीमों में से 2 टीमों को प्रमोशन मिलेगा। वहीं जितनी ज्यादा टीमें होंगी। उतने ही खिलाड़ियों को खेलने के अधिक अवसर मिलेंगे। अभी दो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की महिला टीमें भी हैं। साथ ही तीन बार की चैंपियन गोकुलम केरला भी है, जो विदेशों में प्रतियोगिता खेलने वाली भारत की पहली महिला टीम थी। अब यह भी बदलाव हुआ है कि महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को क्लब पेशेवर अनुबंध भी देने लगे हैं। इससे खिलाड़ियों को अच्छी रकम भी मिल रही हैं।

कार्लोस अल्काराज ने सेमीफाइनल में जानिक सिनर को दी मात, पहली बार खिताबी मुकाबले में किया प्रवेश

पेरिस ।
स्पेन के युवा खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को सेमीफाइनल में जानिक सिनर को हराकर पहली बार वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। अल्काराज इसके साथ ही तीन सतह पर ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। अल्काराज ने 2022 में हार्ड कोर्ट पर यूएस ओपन, 2023 में घासियाले कोर्ट पर विंबलडन जीता था और अब रोलां गैरो में लाल बजरी पर चैंपियनशिप के लिए खेलेंगे। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्काराज ने सिनर को 2-6, 6-3, 3-6, 6-4, 6-3 से मात दी। खेले जाने वाले पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज का सामने चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड में से किसी एक की चुनौती होगी।

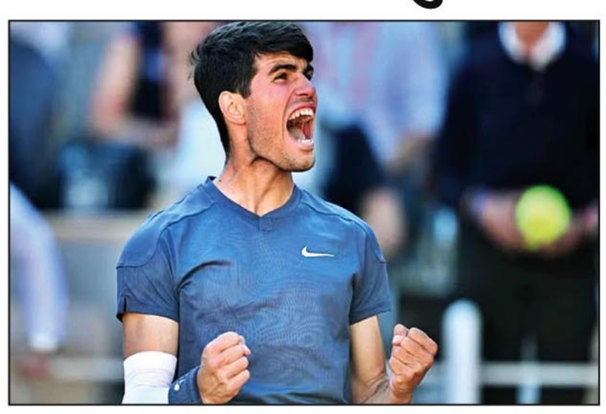

पिछड़ने के बाद की शानदार वापसी अल्काराज ने सेमीफाइनल मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। उन्होंनें मैच के दौरान जकड़न और दर्द से निपटने के लिए ब्रेक लेकर अपने ट्रेनर की मदद ली। सिनर ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी स्थिति में थे, लेकिन अल्काराज ने इसके बाद शानदार वापसी की। उनके ड्रॉप शॉट और कर्लिंग लॉब्स का सिनर के पास कोई जवाब नहीं था। जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सिनर ने 2024 में ग्रैंडस्लैम खेल में 13-0 के रिकॉर्ड के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। वह इस हार के बावजूद अगले सप्ताह जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में पहली बार शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच पहले ही इस टूर्नामेंट से हट चुके हैं और लाल बजरी के बादशाह स्पेन के राफेल नडाल पहले ही दौर में इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, ऐसे में अल्काराज के पास अपना प्रभाव छोड़ने का शानदार अवसर होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश ने श्रीलंका को पहली बार हराया

दो विकेट से मुकाबला जीता; श्रीलंका की लगातार दूसरी हार

डलास ।
टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के 15वें मैच में बांग्लादेश ने 2014 की चैंपियन श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया। टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की श्रीलंका के खिलाफ यह पहली जीत है। इससे पहले दो मुकाबले खेले गए थे, दोनों श्रीलंका ने जीते थे। डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 124 रन बनाए और बांग्लादेश को 125 रन का टारगेट दिया। जवाब में बांग्लादेश ने 19 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। बांग्लादेश के स्पिनर रिशाद हुसैन ने तीन विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह श्रीलंका की इस वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हार है। इससे पहले, श्रीलंका को साउथ अफ्रीका ने हराया था। वहीं बांग्लादेश का पहला मैच था।

जीत के हीरोज

मुस्तफिजुर रहमान : रिशाद हुसैन के अलावा मुस्तफिजुर रहमान ने भी मैच में तीन विकेट झटके। रहमान ने कमिंडु मेंडिस, पथुम निसांका और महीश तीक्षणा के विकट लिए। उन्होंने श्रीलंका के टॉप स्कोरर निसांका (47) को आउट कर टीम को मुश्किल में डाल दिया।

तौहीद ह्दोय : बांग्लादेश की जीत में ह्दोय का अहम योगदान रहा। वे टीम के टॉप स्कोरर रहे। ह्दोय ने लिटन दास के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। जो इस मैच की इकलौती फिफ्टी पार्टनरशिप रही। टर्निंग पॉइंट मैच का टर्निंग पॉइंट श्रीलंका की पारी का 15वां ओवर रहा। जब रिशाद हुसैन ने इस ओवर में लगातार दो विकेट लिए। उन्होंने ओवर की पहली बॉल पर चरिथ असलंका और दूसरी पर श्रीलंकाई कप्तान वानिंदु हसरंगा को आउट किया। इसके बाद उन्होंने 17वें ओवर की पहली बॉल पर धनंजय डी सिल्वा को पवेलियन भेजा।

फाइटर ऑफ द मैच

नुवान थुषारा फाइटर ऑफ द मैच रहे। नुवान थुषारा ने अपने स्पेल में 4 विकेट झटके, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने तंजीद हसन, नजमुल हुसैन शांतो, रिशाद हुसैन और तस्कीन अहमद का विकेट लिया।

बांग्लादेश की पारी : तौहीद ह्दोय टॉप स्कोरर टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश के लिए तौहीद ह्दोय टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 20 बॉल पर 40 रन की पारी खेली। उनके अलावा लिटन दास ने 36 रन और महमुदुल्लाह ने नाबाद 16 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से नुवान थुषारा ने 4 विकेट झटके। वानिंदु हसरंगा ने 2 विकेट लिए। मथीश पथिराना और धनंजय डी सिल्वा को 1-1 विकेट मिला।

श्रीलंका की पारी : निसांका अर्धशतक से चूके श्रीलंका ने बांग्लादेश को 125 रन का टारगेट दिया। श्रीलंका के लिए ओपनर पथुम निसांका ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए। उनके अलावा धनंजय डी सिल्वा ने 21 और चरिथ असलांका ने 19 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन ने 3-3 विकेट लिए। तस्कीन अहमद ने 2 विकेट झटके। तंजीम हसन साकिब को 1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

श्रीलंकाः वानिंदु हसरंगा (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कमिंडु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा, चरिथ असलंका, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, महीश तीक्षणा, मथीश पथिराना और नुवान थुषारा।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्या सरकार, शाकिब अल हसन, तौहीद ह्दोय, महमुदुल्लाह, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान और तंजीम हसन साकिब।

खुशहाली के मंत्र...

हमें जीवन में रोज नया अनुभव होता है, इस दौरान हमसे अच्छे और बुरे काम भी होते हैं, इनसे गम और खुशी होती है, लेकिन इन सब रुकावटों और मुश्किलों को पीछे छोड़कर इन मंत्रों से जीवन को खुशहाल बनाएं।

ठहाके लगाएं

हंसी को सबसे ताकतवर औषधि माना जाता है। जो हंसी के ठहाके लगाते हैं उनका जीवन खुशहाल रहता है। हंसने से हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है, दर्द से निजात मिलती है, दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं जिससे दिल संबंधी बीमारियां नहीं होती हैं। हंसने से मनोवैज्ञानिक रूप से फायदा होती है और हंसकर आप आसानी से अपना तनाव दूर कर सकते हैं। दोस्तों के साथ हों या सहकर्मियों के साथ, परिवार के लोग हों या रिश्तेदार हंसने का कोई मौका गंवाएं नहीं।

जीवन का उद्देश्य बनाएं

अगर आपको अपने जीवन का उद्देश्य पता चल जाए तो आपके सारे दुखों और दुविधाओं का ह्रास हो जाए। सभी के जीवन का एक उद्देश्य होता है और आप उससे अछूते नहीं। कुछ लोगों को जीवन का उद्देश्य पता चल जाता है तो इसे पूरा करने के लिए वे निरंतर प्रयास करते हैं और जिन्हें अपने जीवन का उद्देश्य नहीं पता वे हमेश भटकते हैं और दुखी रहते हैं।

वर्तमान में जिएं

हमें दुःख तभी होता है जब भविष्य के बारे में सोचते हैं या फिर भूतकाल की गलतियों और दुखों को याद करते हैं। जबकि वास्तविकता वर्तमान ही है। भूतकाल में जो हो गया उसे भूल जाइए। भविष्य में क्या होगा उसका पता किसी को नहीं, तो जिसके बारे में आप नहीं जानते उसे लेकर तनाव क्यों लेना। वर्तमान में जीने की कोशिश कीजिए और इस पल हो हसीन बनाइए।

धन्यवाद जरूर करें

एक शोध में यह बात सामने आई है कि जो लोग अपने जीवन में दूसरों को धन्यवाद बोलते हैं वे अधिक खुशहाल होते हैं। तो आप भी अपने जीवन को खुशहाल बनाने के लिए दूसरों को धन्यवाद कहना क्यों नहीं शुरू करते हैं। इससे आपको खुशी मिलेगी साथ ही आप जिसका आभार प्रकट करेंगे उसे दूसरों को मदद करने की प्रेरणा मिलेगी।

माइग्रेन भगाने वाला सीफेली...

दुनिया के हर कोने में माइग्रेन पीड़ितों की तादात में दिन-ब-दिन इजाफा होता जा रहा है। बाजार में ढेरों दवाइयां मौजूद हैं। लेकिन कारगर इलाज आज भी संभव नहीं। अब इलेक्ट्रोनिक हेडबैंड यानी सीफेली आया है। मेडिकल वर्ल्ड इस पर भरोसा जता रहा है। इलेक्ट्रोनिक हेडबैंड यानी बिजली से चलने वाला एक ऐसा उपकरण जो माथे पर आसानी से फिट हो जाता है और दिमाग की नसों में खास कंपन पैदा कर सिरर्द को भगा देता है। इस हेडबैंड को हालांकि अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में इस्तेमाल किया जा रहा है लेकिन अब इसे यूरोप की नेशनल हेल्थ सर्विसेज से भी हारी झंडी मिल गई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही दुनिया के बाकी मुल्कों समेत भारत में भी हेडबैंड उपलब्ध हो जाएगा। जानकारों की मानें तो इस हेडबैंड को दिन में एक बार इस्तेमाल करना है। एक बात काबिल-ए-गौर है कि इस्तेमाल तभी करें जब माइग्रेन का दर्द हो। हेडबैंड आंखों के ठीक ऊपर के हिस्से यानी माथे पर लगाने से माइल्ड इलैक्ट्रिकल तरंगे मस्तिस्क के संपर्क में आती हैं। महज 20 मिनट के इस्तेमाल से माइग्रेन में आराम मिलता है। दावा किया गया है कि 10 में से 4 मरीजों को फायदा जरूर मिलता ही है। जानकार बताते हैं कि माइग्रेन में राहत पहुंचाने के अलावा ये हेडबैंड दर्द से निपटने की क्षमता में बढ़ोतरी भी लाता है। यही नहीं, कुछ मरीजों की नशे की लत भी छुड़वा सकता है। माइग्रेन की वजह से 80 लाख की आबादी वाले ब्रिटेन में 20 लाख महिलाओं को चक्कर, उल्टी और ऐंठन की शिकायत अक्सर रहती है। हालांकि बाजार में बहुत सी ऐसी दवाईयां है जो माइग्रेन के दर्द में फौरी राहत देती हैं लेकिन परमानेंट हल किसी के पास नहीं है। बैटरी से चलने वाला सीफेली हेडबैंड उसी हिट रेट के साथ चलता है और 40 से 70 फीसदी मरीजों तक को फायदा पहुंचाता है। लेकिन चिकित्सकीय प्रयोगों के मुताबित इस हेडबैंड के साइड इफेक्ट भी हैं। हां, ये बात ठीक है कि इसे गर्भावस्था के दौरान महिलाएं इस्तेमाल कर सकती हैं। फिलहाल यूके के बाजार में इस हेडबैंड की कीमत 250 पाउंड है।

पहला ग्राफिन बेस्ड ई-पेपर...

कौन कहता है कि ई-पेपर पुरानी टैक्नोलॉजी हो गई है। चाइना में अभी भी इस पर आधारित नए प्रोडक्ट बन रहे हैं। गुएज ओईडी टैक्नोलॉजी ने

अपने-आप में पहला ग्राफिन बेस्ड ई-पेपर तैयार किया है। ग्राफिन के साथ बना पेपर काफी मजबूत और हल्की स्क्रीन पेश करता है, जिसमें ब्राइटनेस और फ्लैकसीबिल्टी पूरी तरह मौजूद है। खास बात यह है कि सूरज की रौशनी में भी यह ई-पेपर आसानी के साथ पढ़ने में मदद करती है। दूसरे ई-पेपर भी इस तरह कर सकते हैं लेकिन ग्राफिन में इस्तेमाल किया गया कार्बन आसानी से मिल सकता है इसलिए यह काफी सस्ता होगा बल्कि दूसरे ई-पेपर डिवाइसिस में इंडियम मेटल होती है। कंपनी का कहना है कि एक साल के अंदर-अंदर ग्राफिन ई-पेपर का प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। अगर टैक्नोलॉजी आगे बढ़ी तो शायद ग्राफिन, एलईडी और ओएलईडी की जगह भी ले सकती है।

> अब वह दौर आ गया है जब ड्रोन मिलिट्री और एडवेंचर स्पोर्ट की रेंज से बाहर निकल सकता है। आने वाला वक्त ड्रोन का होगा और हर व्यक्ति की चाहत होगी कि उसके पास भी एक ड्रोन हो। जानकारों के मुताबिक आगामी पांच से 10 साल के भीतर हर घर में एक ड्रोन हो सकता है। हाल ही में चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी शाओमी का बनाया पहला ड्रोन सामने आया है। शाओमी एमआई ने इस ड्रोन की कीमत ड्रोन बनाने में मार्केट लीडर चीनी कंपनी डीजेआई के ड्रोन फैंटम 3 की कीमत की तुलना में काफी कम रखी है। फिल्मों की शूटिंग के लिए हवा से लिए जाने वाले शॉट्स के लिए हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल होता आया है, लेकिन तकनीक के विस्तार के कारण यह ड्रोन से भी मुमकिन हो गया है।

अब किफायती ड्रोन की ओर...

वर्तमान दौर में भले ही लोग स्मार्टफोन के पीछे दीवाने हों, लेकिन आने वाला वक्त ड्रोन का होगा और हर व्यक्ति की चाहत होगी कि उसके पास भी एक ड्रोन हो। जानकारों के मुताबिक आगामी पांच से 10 साल के भीतर हर घर में एक ड्रोन हो सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ड्रोन का इस्तेमाल माल का वितरण, बुनियादी ढांचे की निगरानी, तलाश व बचाव तथा कृषि निगरानी कार्य में किया जा सकता है। जब ड्रोन बेहद मशहूर हो जाएंगे, तो आसमान में ड्रोन ही ड्रोन दिखाई देंगे, क्योंकि तब उनका वाणिज्यिक तौर पर इस्तेमाल शुरू हो जाएगा। गूगल, एमेजॉन, लॉकहिड मार्टिन, रेथेयॉन, एयरवेयर, ड्रोनडिप्लॉय, मैटरनेट, सिस्को तथा वेरिजॉन के साथ मिलकर नासा छोटे तथा कम ऊंचाई पर उड़नेवाले ड्रोन के एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली के विकास की दिशा में काम कर रहा है।

मिलिट्री रेंज से बाहर

अब वह दौर आ गया है जब ड्रोन मिलिट्री और एडवेंचर स्पोर्ट की रेंज से बाहर निकल सकता है। अमेजन लगातार ड्रोन के जरिए सामान को पहुंचाने के तरीकों पर काम कर रही है। वहीं गूगल ड्रोन के जरिए दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की सुविधा देने की तकनीक विकसित कर रहा है। अब साल ड्रोन के कमर्शियल इस्तेमाल की शुरुआत हो सकती है, हालांकि रेग्युलेटर्स की मंजूरी जरूरी होने के कारण शुरुआत सीमित होने की संभावना है। अगर ये टेक्नोलॉजी शुरू होती है तो आपको दुनिया में कहीं भी सामान और इंटरनेट मिल जाएगा। वहीं आम लोगों के लिए ज्यादा सुरक्षित ड्रोन भी मार्केट में उतरेंगे, इसमें सेल्फी ड्रोन भी शामिल है जो आपकी पहचान कर आपके आस-पास सुरक्षित दूरी पर उड़ने और फोटो खींचने के लिए प्रोग्राम्ड होगा।

आम लोगों का ड्रोन

चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी शाओमी का बनाया पहला ड्रोन सामने आया है। शाओमी एमआई ने इस ड्रोन की कीमत ड्रोन बनाने में मार्केट लीडर चीनी कंपनी डीजेआई के ड्रोन फैंटम 3 की कीमत की तुलना में काफी कम रखी है। एमआई ड्रोन की कीमत लगभग 25 हजार रुपए है जबकि फैंटम-3 की कीमत 50 हजार रुपए है। शाओमी का ड्रोन तकरीबन आधे घंटे तक हवा में रह सकते हैं। इसमें स्टेब्लाइज्ड कैमरे का भी विकल्प मौजूद है। पिछले दिनों मोबाइल बाजार मंदा रहा है और शाओमी अपने टार्गेट पूरे नहीं कर पाई है। कंपनी अपने इस कदम से ड्रोन के तेजी से बढ़ रहे कारोबार में कुछ कर दिखाना चाहती है। एमआई ड्रोन अपने आप एक जगह घेरे में घूम सकता है। एमआई ड्रोन और डीजेआई के फैन्टम-3 के फीचर लगभग एक से हैं। यह नया ड्रोन लोगों को अपील करेगा। लेकिन अनुभवी फ्लाएर्स को विश्वसनीय उत्पाद चाहिए और डीजेआई ने तकनीक के इस क्षेत्र में लंबा समय तय किया है। हालांकि यह नहीं कहा जा सकता कि शाओमी के ड्रोन कितने विश्वसनीय हैं, इसका वीडियो फुटेज कितना सच्चा है या इसका सॉफ्टवेयर कितने बेहतर तरीके से काम कर सकता है। अभी शाओमी को खुद को साबित करने में कुछ समय लगेगा।

एमआई ड्रोन की खासियत

शाओमी के एमआई ड्रोन में हाई-डेफिनेशन कैमरा होगा जिसकी रेंज 1 किलोमीटर होगी। इसकी कीमत है 25,000 रुपए। अगले वर्जन में 4के रेजोल्यूशन का कैमरा होगा और इसकी रेंज 2 किलोमीटर होगी और कीमत होगी लगभग 30,000 रुपए। एमआई ड्रोन काफी उच्च रेजोल्यूशन पर लाइव वीडियो को स्ट्रीम कर सकता है। डीजेआई के फैंटम-3 में भी 4के रेजोल्यूशन का कैमरा है और इसकी रेंज 1200 मीटर है। फैंटम-3 की कीमत है 50,000 रुपए है। शाओमी का कहना है कि ड्रोन आमतौर पर अमीर लोगों के लिए होते हैं, लेकिन शाओमी आम लोगों तक इसकी पहुंच बनाना चाहती है।

सबसे छोटा ड्रोन

अलग अलग तरह के ड्रोन कैमरे के साथ अब मार्केट में आ रहे है, लेकीन अब ऑक्सीस कंपनी ने व्हीडीएस नाम का सबसे छोटा ड्रोन लॉन्च किया है। ड्रोन का सबसे ज्यादा इस्तेमाल एरियल फोटोग्राफी में आजकल ज्यादा हो रहा है। ऑक्सीस कंपनी ने अपना यह पहला ही ड्रोन बनवाया है। इस ड्रोन की लंबाई 4.3 सेंटीमीटर है तो 2.5 सेमी की चौड़ाई है। इसमें एक छोटा सा कैमरा लगवाया गया है जिसकी मदद से आप 420 पिक्सल वीडीओ शुट कर सकते हो और आप इसकी लाईव्ह स्ट्रीमिंग अस ड्रोन कैमरे के ऐप के साथ आपके मोबाईलपर देख सकते हैं। यह ऐप आपके मोबाईल और रिमोट के साथ कंट्रोल किया जा सकता है। इस ड्रोन के साथ 150 मिली एंपिअर की बैटरी आती है जिसकी मदद से आप लगभग 20 मिनट तर इसे हवा में उड़ा सकते हैं। इस ड्रोन को कंपनी ने हर तरह से सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अंधेरे में आपको यह ठीक से दिखाई दे इसलिए इसे एलईडी लाईट्स लगवाए गए हैं। इसकी कीमत लगभग 75 यूएस डॉलर्स है और जल्द ही यह ग्राहकों को उपलब्ध होगा।

फिल्मों की शूटिंग

फिल्मों की शूटिंग के लिए हवा से लिए जाने वाले शॉट्स के लिए हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल होता आया है, लेकिन तकनीक के विस्तार के कारण यह ड्रोन से भी मुमकिन हो गया है। शूटिंग के लिए हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल काफी महंगा साबित होता है। ड्रोन का इस्तेमाल युद्ध के मैदान में पिछले कुछ सालों से अमेरिका और अन्य ताकतवर देश करते आए हैं। फिल्म की शूटिंग में हालांकि यह नया नया प्रयोग है। एशिया में सस्ते प्रोसेसर और सेंसर मिलते हैं, जिनसे ड्रोन बनाना आसान और सस्ता हो गया है। जर्मनी के हैम्बर्ग स्थित ड्रोन कंपनी के लिए भी कारोबार का नया रास्ता खुल गया है। किस तरह का वीडियो बनाना है इस आधार पर ड्रोन चुना जाता है। फिर उस पर कैमरे लगाए जाते हैं। यह तकनीक पेशेवर फिल्म बनाने वालों के लिए वरदान साबित हो रही है। साथ ही इस तरह के ड्रोन को ऑपरेट करना बेहद आसान है।

ड्रोन इन ए फोन

अगर आपको सेल्फी क्लिक करना हो तो, स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। अगर ग्रुप में एरियल फोटो खींचनी हो तो आजकल ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन अगर आपको एक ऐसा फोन मिल जाए, जिसमें ड्रोन भी हो, तो कैसा रहेगा। हाल ही में एक नया कॉन्सेप्ट तैयार किया गया है, जिसका नाम है ड्रोन इन ए फोन, इसमें फोन के साथ एक छोटा सा फोल्डेबल क्वाडकॉप्टर रहता है, जो फोन में बने बॉक्स के अंदर रखा जा सकता है। इस ड्रोन को फोन की बैटरी से पावर मिलती है और यह 25 मिनट तक उड़ सकता है। यह ड्रोन एक वायर के जरिए फोन से जुड़ा रहता है, ताकि तेज हवा में वह खो न जाए। लंदन की बज टेक्नोलॉजी नाम की एक कंपनी ने इस प्रोजेक्ट को फाइनल किया है। ड्रोन में कैमरे की क्षमता के बराबर ही कैमरा होगा। यानी 8 मेगापिक्सल कैमरा वाले फोन के ड्रोन भी इतनी ही क्षमता का कैमरा होगा। इसमें लगे कैमरे से स्टैंडर्ड, वाइड एंगल और मैक्रो तस्वीरें क्लिक की जा सकती हैं। बज टेक्नोलॉजी का कहना है कि इस प्रोटोटाइप के फाइनल होते ही इस साल सितंबर में इस स्मार्टफोन-ड्रोन को लॉन्च कर दिया जाएगा।

नौकरियों पर खतरा

वैश्विक बाजार में ड्रोन नौकरियों पर बड़ा खतरा बनकर मंडरा रहा है। एक शोध में दावा किया गया है कि ड्रोन तेजी से इनसानों की जगह ले रहे हैं। ड्रोन का वैश्विक बाजार अभी करीब दो अरब डॉलर का है जो 2020 तक बढ़कर 127 अरब डॉलर का हो जाएगा। गूगल और अमेजॉन जैसी बड़ी कंपनियां ग्राहकों तक सामानों की जल्द डिलीवरी के लिए इनका इस्तेमाल कर रही हैं। शोध के मुताबिक, छोटे ड्रोन न केवल कुरियर पहुंचा रहे हैं, बल्कि गगनचुंबी इमारतों की खिड़कियां साफ करने, बीमा दावों की जांच और फसलों पर कीटनाशकों के छिड़काव में भी प्रयुक्त हो रहे हैं। परामर्श देने वाली कंपनी पीडब्ल्यूसी के शोध के अनुसार, ड्रोन तकनीक बहुत जल्द ही हमारे रोजमर्रा के जीवन का अंग बन जाएगी।

ड्रोन को लेकर गाइड लाइन

देश में ड्रोन को लेकर कोई पॉलिसी नहीं है और इस वजह से ड्रोन स्टार्टअप समेत सभी स्टेक होल्डर कई मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अब एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने भारतीय आसमान में मानवरहित विमान के इस्तेमाल से जुड़ी ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। गाइडलाइंस की कमी की वजह से ना तो देश में ड्रोन का सही तरीके से इस्तेमाल हो पा रहा था, और न ही सुरक्षा को होने वाले खतरे से निपटने का कोई कानून था। अब डीजीसीए ने जो ड्राफ्ट जारी किया है, उस पर स्टेकहोल्डरों से फीडबैक मांगा है। इसके आधार पर बाकायदा रेगुलेशन जारी कर दिया जाएगा। देश में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे स्टार्टअप ने सरकार के इस कदम की तारीफ की है। ड्रोन पर आए ड्राफ्ट गाइडलाइंस के मुताबिक ड्रोन के कमर्शियल इस्तेमाल के लिए भी नियम-कायदे बनेंगे जैसे हर गाड़ी का नंबर प्लेट होता है ठीक उसी तरह ड्रोन को भी यूएनआई यानी यूनीक आइडेंटीफिकेशन नंबर दिया जाएगा। ये यूएनआई पाने के लिए आपको भारतीय नागरिक होना जरूरी होगा। साथ ही आपका बिजनेस भारत में ही होना होगा। ड्रोन के आइडेंटिफिकेशन प्लेट में आरएफ आईडी टैग या सिम होगा, जिसके जरिए ड्रोन की कंपनी के बारे में पता लगाया जा सकेगा। गाइडलाइंस के मुताबकि चार कैटेगरी के ड्रोन होंगे। आम लोग 2 किलो से कम वजन के ड्रोन 200 फीट से कम ऊंचाई पर उड़ा पाएंगे। ड्रोन पर जारी ड्राफ्ट गाइडलाइंस के मुताबिक जो 4 कैटेगरीज होंगी, उनमें 2 किलो से कम तक के ड्रोन माइक्रो कहलाएंगे। 2 किलो से 20 किलो तक के ड्रोन मिनी कैटेगरी में आएंगे। 20 किलो से 150 किलो तक के ड्रोन स्मॉल कैटेगरी में आएंगे, वहीं इससे बड़े ड्रोन लार्ज कहलाएंगे। उम्मीद है कि इस मसले पर अंतिम गाइडलाइंस आने के बाद देश में ड्रोन का बड़े पैमाने पर बिजनेस में इस्तेमाल होने लगेगा और आपके घर की छत पर सामान की डिलीवरी सीधे ड्रोन से होगी।

एक डुअल सिम वाले फोन पर दो व्हाट्सऐप अकाउंट

व्हाट्सऐप दुनिया भर में सबसे ज़्यादा चलने वाला फ्री मैसेज सर्विस है।100 करोड़ लोग से भी ज्यादा इसे इस्तेमाल करते हैं और भारत में अब करीब 10 करोड़ लोग इसे इस्तेमाल करते हैं। एंड्राइड फोन भारत में काफी पसंद किया जाता है और 80 फीसदी से ज्यादा लोग एंड्राइड ऑपरेटिंग सिस्टम वाले फोन ही इस्तेमाल करते हैं। डुअल सिम वाले फोन भारत में बहुत पसंद किए जाते हैं और बड़े और छोटे शहर में सभी लोगों के पास ऐसे फोन आपको मिल जाएंगे। कई बार लोग अपने काम और निजी नंबर को अलग रखते हैं और इसलिए व्हाट्सऐप भी अलग अलग रखने का प्रचलन बढ़ रहा है। ऐसा करने के लिए आपको थोड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी और स्मार्टफोन की सेटिंग में थोड़ा बदलाव करना होगा। लेकिन एक बार आपने ये कर लिए तो एक ही डुअल सिम वाले स्मार्टफोन पर दो व्हाट्सऐप अकाउंट चला सकेंगे।

पहली स्टेप इसके लिए आपको डुअल सिम वाला स्मार्टफोन चाहिए और उस पर दो एक्टिव मोबाइल नंबर चाहिए। डेटा सर्विस एक पर भी एक्टिव हो तो ये दोनों आपके लिए काम करेंगे। सबसे पहले अपने व्हाट्सऐप पर जाइए और वहां पर सेटिंग को चुनिए और फिर चैट सेटिंग को चुनिए। इसके बाद बैकअप चैट पर क्लिक कर दीजिए ताकि आपके सभी मैसेज का एक बैकअप तैयार हो जाए।

दूसरी स्टेप अब समय है अपने स्मार्टफोन की सेटिंग में जाने का और सेटिंग में ही जो ऐप का विकल्प है उसे चुन लीजिए। वहां पर व्हाट्सऐप को चुन लीजिए और क्लियर डेटा के विकल्प पर क्लिक कर दीजिए और उसे ओके कर दीजिए।

तीसरी स्टेप अब अपने डिवाइस के फाइल एक्स्प्लोरर पर जाइये और व्हाट्सऐप फोल्डर में पहुंच जाइए। वहां पर ऑप्शन पर क्लिक करके आप उसका नाम बदल कर ओ जी व्हाट्सऐप रख दीजिये और फिर ओके पर क्लिक कर दीजिए।

चौथी स्टेप इसके बाद फिर से सेटिंग में जाना होगा, उसके बाद ऐप और फिर व्हाट्सऐप। इसके बाद और व्हाट्सऐप को अनइंस्टॉल कर दीजिए। इसके बाद ओ जी व्हाट्सऐप को इस लिंक से डाउनलोड कर के इनस्टॉल कर लीजिए। इनस्टॉल करने के बाद इसे लॉन्च कर दीजिए। इनस्टॉल करते समय जो आप पहले मोबाइल नंबर इस्तेमाल कर रहे थे उसे लिख दीजिए। उसके बाद अपने पुराने चैट के बैकअप को आप रिस्टोर कर पाएंगे। अपनी सेटिंग को पूरा करने के बाद आपके पुराने नंबर का व्हाट्सऐप काम करने लगेगा।

पांचवी स्टेप अपने स्मार्टफोन के होमस्क्रीन पर आप ओ जी व्हाट्सऐप नाम के दो आइकॉन देख सकेंगे। अब अपने स्मार्टफोन के दूसरे नंबर के लिए आपको गूगल प्लेस्टोर पर जाकर व्हाट्सऐप डाउनलोड कर के इनस्टॉल करना होगा। उसके बाद जब उसमे अपना नंबर देने के समय आएगा तो वहां अपना दूसरा नंबर एंटर कर दीजिए। हो सकता है आपके अपना वेरिफिकेशन कोड भी एंटर करना पड़े। अगर आप ये वेरिफिकेशन कोड नहीं चाहते हैं तो व्हाट्सऐप से कॉल का विकल्प भी चुन सकते हैं। यह कॉल के समय जो छह डिजिट का वेरिफिकेशन कोड आपको बताया जाता है उसे आपको एंटर करना होगा। उसके थोड़ी देर के बाद आपका दूसरे नंबर वाला व्हाट्सऐप काम करने लगेगा। दोनों व्हाट्सऐप नंबर के अकाउंट के आइकॉन अलग अलग होंगे। ये करने के बाद आप काम के नंबर और निजी नंबर के व्हाट्सऐप को अलग अलग कर सकते हैं।

'गोल्ड व्हॉट्सेप' को न करें इंस्टॉल...

अधिकतर लोग व्हॉट्सेप पर एक्टिव रहते हैं। अगर आप भी व्हॉट्सेप यूजर हैं तो हो सकता है आपके पास पिछले कुछ दिनों में एक मैसेज आया होगा, जिसमें आपको अपग्रेड वर्जन 'गोल्ड व्हॉट्सेप' डाउनलोड करने की सलाह दी गई होगी। अगर आपके पास भी यह मैसेज आया है तो आप सतर्क हो जाएं। इस मैसेज में लोगों को सूचना दी जा रही है कि ये अपग्रेड वर्जन लीक हो चुका है और इसे सिर्फ बड़ी हस्तियां इस्तेमाल करती है। इसके साथ ही यूजर्स को ये बताकर चकमा दिया जा रहा कि इसमें वीडियो कॉल, गलती से भेजे गए मैसेज को हटाने की सुविधा और एक साथ 100 फोटोज भेजने की जैसी सुविधाएं है। आपके पास अब तक ये मैसेज नहीं आया है तो आप खुशकिस्मत है। वो इसलिए क्योंकि जिसके पास भी ये मैसेज आया है उनके साथ बहुत बड़ा धोखा दिया जा रहा है। व्हॉट्सेप ने ऐसा गोल्डन वर्जन जैसा कोई अपडेट लॉन्ज ही नहीं किया है। दरअसल यह हैकर्स की सोची समझी चाल है। इसमें यूजर्स को जाल में फंसाने की कोशिश की गई है। इसकी काफी संभावना है कि जिन यूजर्स के पास ये मैसेज आया है उस डिवाइस में वायरस आ चुका है। जल्द से जल्द मोबाइल में एंटी वायरस डाउनलोड कर लें ताकि हैकर्स आपके फोन का व्यक्तिगत डेटा इस्तेमाल न कर पाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**